हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 203 Friday, 16 May 2025 शुक्रवार, 16 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

श्री गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में लगी आग, पाया काबू; कूलिंग ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली(एजेंसी),

दिल्ली के पीतमपुरा स्थित गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स की लाइब्रेरी में गुरुवार यानि आज सुबह आग लग गई। आग लाइब्रेरी की तीसरी मंजिल पर लगी। घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था।सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकल की 11 गाड़ियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दमकल कर्मी चार गाड़ियों की मदद से इमारत में कुलिंग का काम कर रहे हैं।

पाक के साथ टेंशन के बीच भारत के दरवाजे पर पहुंचा चीन का जासूसी जहाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के माहौल में चीन का एक जासूसी जहाज़ 'दा यांग यी हाओ' भारत के समुद्री क्षेत्र के पास पहुंच रहा है। यह जानकारी ओपन-सोर्स खुफिया विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने दी है। इस जहाज़ को चीन 'वैज्ञानिक अनुसंधान पोत' बताता है, लेकिन भारत और अन्य देशों का मानना है कि इसका असली उद्देश्य खुफिया जानकारी इकट्ठा करना है। यह जहाज़ समुद्र की सतह को स्कैन करने, मिसाइल टेस्ट ट्रैक करने और पनडुब्बियों की गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम है। इसकी गतिविधियाँ अक्सर सामान्य वैज्ञानिक अभियानों की आड़ में की जाती हैं।

ड्रैगन की समुद्र में बड़ी चाल!

अंडरवाटर निगरानी भारत के लिए खतरे की घंटी

इन जहाज़ों में मौजूद मानवरहित जल-नीचे वाहनों के ज़रिए समुद्र के भीतर मौजूद रक्षा तंत्र, सी माइंस और अन्य सैन्य ढांचों की भी निगरानी की जाती है। साल 2021 में एक और चीनी जहाज़ 'दा यांग यी हाओ' को पलाऊ के विशेष आर्थिक क्षेत्र में बिना अनुमति घुसने पर रोका गया था। उस समय रिपोर्ट में कहा गया था कि वह क्षेत्र भविष्य के पनडुब्बी युद्ध संचालन के लिहाज़ से रणनीतिक रूप से अहम है। भारत के पड़ोस में चीन के इस तरह के जहाज़ों की मौजूदगी सिर्फ वैज्ञानिक उद्देश्य नहीं, बल्कि सैन्य जासूसी और रणनीतिक निगरानी का हिस्सा मानी जा रही है। यह भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

कहां से आया यह जहाज?

डेमियन साइमन द्वारा साझा किए गए नक्शे के अनुसार, यह जहाज़ मलक्का जलडमरूमध्य से होकर भारत के दक्षिण में श्रीलंका के पास पहुंच रहा है। इस तरह के जहाज़ आमतौर पर भारत के मिसाइल परीक्षणों और समुद्री सैन्य गतिविधियों के दौरान आसपास देखे जाते हैं।

वैज्ञानिक जहाज या जासूस?

पिछले साल भी 'दा यांग यी हाओ' नामक एक अन्य चीनी जासूसी जहाज़ भारत के अग्नि-5 मिसाइल परीक्षण के समय क्षेत्र में देखा गया था। इसके अलावा, कुछ जहाज़ भारतीय पनडुब्बियों की ध्वनि पहचानने और आईटीआर परीक्षण स्थल (एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप) पर हो रही गतिविधियों की निगरानी करते पाए गए हैं।

राहुल गांधी ने 400 लोगों के साथ फुले मूवी देखी

- दरभंगा में बोले-मोदी ने डरकर जाति जनगणना का ऐलान किया

दरभंगा, पटना (एजेंसी)। दरभंगा में एनएसयूआई के 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राहुल गांधी गुरुवार दोपहर 2 बजे पटना पहुंचे। एयरपोर्ट से वो सीधे सिटी सेंटर मॉल पहुंचे। वहां 400 सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ थिएटर में 2 घंटे 9 मिनट की 'फुले' मूवी देखी। राहुल गांधी 4.54 बजे थिएटर से बाहर निकले और एयरपोर्ट के लिए खाना हो गए। यह मूवी समाज सुधारक ज्योतिबा फुले पर आधारित है। वहीं, फिल्म का पास होने के बावजूद थिएटर में एंट्री नहीं मिलने पर कई लोगों ने हंगामा किया।

शो के 400 टिकट बुक, नेताओं की एंट्री नहीं- सिटी सेंटर के आईनोक्स मूवी थिएटर के ऑडिटोरियम- 1 में 2.20 बजे से 5.20 बजे तक के शो के लिए 400 टिक्ट बुक किए गए हैं। 'फुले' मूवी के शो के लिए स्पेशल पास बांटे गए हैं। इसमें राहुल गांधी की फोटो लगी है और उन्हें 'सामाजिक न्याय का नायक' बताया गया है। साथ ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम की फोटो भी है।

राहुल बोले- आपको बोलने नहीं दिया जा रहा- दरभंगा में राहुल ने कहा कि 24 घंटे अत्याचार हो रहा है। आपके खिलाफ पेपर लीक हो रहा है। आपको बोलने नहीं दिया जा रहा है। सही तरीके से जातीय जनगणना होना चाहिए। 90 प्रतिशत आबादी के लिए इस देश में कोई रास्ता नहीं है। सीनियर ब्यूरोक्रेसी में आपके लोग जीरो, डॉक्टर में आपके कितने लोग...जीरो, एजुकेशन सिस्टम में आपके कितने लोग जीरो, मेडिकल सिस्टम के मालिकों को देखो तो जीरो। मनरेगा की लिस्ट देखो तो सारे के सारे लोग आपके हैं। मजदूरों की लिस्ट निकालो तो आपके लोगों से भरी पड़ी है। सारा का सारा धन और ठेकेदारी 8-10 प्रतिशत लोगों के हाथों में जाता है।

'बायकॉट तुर्की' तेजी से ट्रेंड कर रहा

भारत-तुर्की व्यापार पर बड़ा असर!

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और तुर्की के बीच चल रहे तनाव के बीच सोशल मीडिया पर 'बायकॉट तुर्की' तेजी से ट्रेंड कर रहा है। तुर्की पाकिस्तान का समर्थन किया है, भारत सरकार नाराज है। इस खबर में हम समझेंगे कि भारत और तुर्की के बीच व्यापार कितना है, कौन-कौन से सामान का आदान-प्रदान होता है, और इस बहिष्कार का दोनों देशों पर क्या असर पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर सख्त सैन्य कार्रवाई की। लेकिन इस दौरान तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन किया, जिससे भारत में नाराजगी बढ़ गई। सोशल मीडिया पर लोग तुर्की के खिलाफ आवाज़ उठा रहे हैं और तुर्की के सामान का बहिष्कार करने की मांग कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तुर्की ने पाकिस्तान को हथियारबंद ड्रोन मुहैया कराए, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किया। इस वजह से भारत में तुर्की के व्यापारिक संबंधों पर असर पड़ने की संभावना है।

तुर्की से भारत क्या खरीदता है?

तुर्की के मार्बल का भारत में अच्छा खासा बाजार है। इसके अलावा तुर्की से भारत सेब और अन्य फलों का आयात करता है। इसके अलावा सोना, सब्जियां, चूना, सीमेंट, केमिकल, मोती, आयरन और स्टील भी भारत तुर्की से खरीदता है। 2023-24 में भारत ने तुर्की से खनिज तेल भी खरीदा, जिसकी कीमत लगभग 150 करोड़ रुपये थी।

भारत से तुर्की क्या सामान लेता है?

भारत तुर्की को कपड़े, सूती धागा, इंजीनियरिंग से जुड़ा सामान, केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान निर्यात करता है। तुर्की में भारत के रेडीमेड कपड़ों को अच्छी मांग मिलती है। इसके अलावा खनिज तेल, ईंधन, एल्यूमीनियम प्रोडक्ट और ऑटो कंपोनेंट भी भारत से तुर्की जाता है।

भारत-तुर्की के बीच कितना बड़ा व्यापार है?

अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 के बीच भारत ने तुर्की को करीब 5.2 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। ये राशि पिछले साल 6.65 अरब डॉलर से कम है। दूसरी तरफ भारत ने तुर्की से लगभग 2.84 अरब डॉलर का सामान आयात किया है। यहां साफ दिखता है कि भारत ने तुर्की को जितना निर्यात किया है उससे लगभग आधा आयात किया है।

फिल्म एसोसिएशन ने किया बहिष्कार

- बोला- न वहां शूटिंग हो और न वहां के कलाकारों को भारत का वीजा मिले

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के माहौल के बीच ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने तुर्की और अजरबैजान का पूर्ण बहिष्कार करने का ऐलान किया है। का कहना है कि इन दोनों देशों का रवैया भारत के खिलाफ है। इसलिए अब उनसे जुड़ी किसी भी फिल्मी गतिविधि में भाग नहीं लिया जाएगा। इस फैसले को देशभक्ति और एकजुटता का प्रतीक बताया गया है। सरकार से इन देशों के सभी कलाकारों का वीजा रद्द करने की भी मांग की है।

'पीओके' पर तीसरे देश का दखल मंजूर नहीं

- जयशंकर ने चीन को भी लताड़ा, बोले- सैटेलाइट तस्वीरें बता रही सच्चाई
- सिंधु जल संधि स्थगित है और आगे भी स्थगित ही रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) में टीआरएफ आतंकी संगठन खिलाफ सबूत पेश करने का फैसला किया है। भारत की मांग है कि इस आतंकी संगठन पर बैन लगाया जाए। टीआरएफ पर बैन लगाने के मामले पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, इस मामले पर वास्तव में भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों ने साफ तौर पर कहा है पहलगाम हमले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। विदेश मंत्री ने भारत-पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई पर कहा कि दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने के लिए चीनी ड्रोन का इस्तेमाल किया। हालांकि, ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिल रहा है। वहीं, जयशंकर ने एक बार फिर अमेरिका को इशारों-इशारों में बता दिया कि कश्मीर का मुद्दा द्विपक्षीय है।

श्रीनगर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जवानों से मिले

- भारत के माथे पर वार करने वालों की छाती पर घाव किया

पाकिस्तान मांगने वालों की लाइन में खड़ा मिलता है

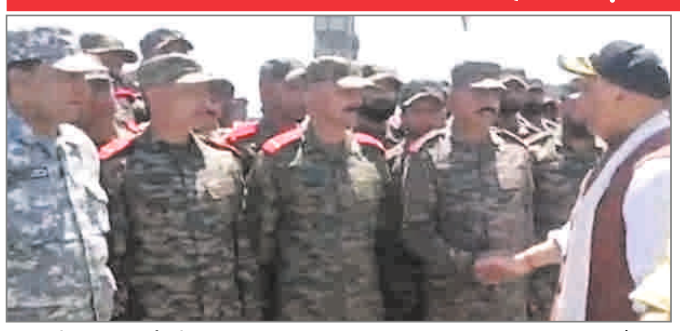

श्रीनगर (एजेंसी)। राजनाथ ने कहा- पाकिस्तान जहां से खड़ा होता है वहां से मांगने वालों की लाइन शुरू हो जाती है। हाल ही में पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज मांगने गया। जबकि भारत उसी आईएमएफ को फंड देता है। रामचरित मानस में कहा गया है जहां सुमति तहं संपति नाना, जहां कुमति तहं विपत निधाना। यानी जहां सुमति होती है वहां संपन्नता आती है। जहां कुमति होती है वहां विपत्ति आती है।

हमने तय किया कि धरती की छाती चीरकर दुश्मन के ठिकानों को नष्ट करेंगे। मैं मानता हूं कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ की गई यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। हमने दिखा दिया है कि हम आतंकवाद के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने भारत के मस्तिष्क पर वार किया तो हमने उनकी छाती पर वार किया।

- हम सिर्फ डिफेंस नहीं कार्रवाई भी कर हैं- रक्षामंत्री ने कहा- आपने जिस तरह पाकिस्तान की चौकियों आतंकी ठिकानों का ध्वस्त किया उसे पाकिस्तान याद रखेगा। पूरे देश की शुभकामनाएं, प्रार्थनाएं और कृतज्ञताएं आपके साथ हैं। मैं एक तरह से उनका डाकिया बनकर आया हूं। भारत ने दिखा दिया कि हम सिर्फ डिफेंस नहीं करते जब वक्त आता है तब कठोर कार्रवाई भी कर हैं।

आतंकियों की काल बनी सेना, ड्रोन से खोजकर 6 को किया ढेर

एक आतंकी की मां कॉल पर बोली- बेटा सरेंडर कर दे

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के त्राल में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया। यह एक मकान में छिपे थे। सुरक्षाबलों ने इन्हें ड्रोन की मदद से ढूंढ निकाला और एनकाउंटर कर दिया। मारे गए आतंकियों में एक टॉप कमांडर आसिफ शेख था। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट को भी मार गिराया। इस बीच, त्राल में मारे गए एक आतंकी आमिर नजीर वानी का आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें वह अपनी मां से बात कर रहा है। मां ने कश्मीरी में आमिर से कहा- बेटा, सरेंडर कर दो। जम्मू-कश्मीर पिछले तीन दिनों में यह दूसरा एनकाउंटर है।

मणिपुर के चंदेल में 10 उग्रवादी ढेर

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चंदेल जिले में गुरुवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। भारत-म्यांमार बॉर्डर पर सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है।

सेना की ईस्टर्न कमान ने बताया- 14 मई को न्यू समताल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधि की जानकारी मिली थी। इसके बाद असम राइफल्स की यूनिट ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान उग्रवादियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में 10 उग्रवादी मारे गए। इनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। इधर, सुरक्षाबलों ने मणिपुर के 4 जिलों में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां थोउबाल, काकचिंग, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों से हुई हैं।

ट्रम्प भारत-पाक के बीच मध्यस्थता वाले बयान से पलटे

कहा- मैंने सीजफायर नहीं कराया, सिर्फ मदद की

10 मई को जानकारी देकर क्रेडिट लिया था

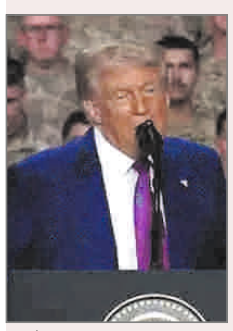

कतर (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान सीजफायर क्रेडिट लेने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को यूटर्न लिया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं कराई। मैंने सिर्फ मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सैटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हो सकता था। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागना शुरू कर दिया और हमने सब सैटल कर दिया।

एमपी मिनिस्टर शाह पर एफआईआर की भाषा से हाईकोर्ट नाराज, कहा खानापूर्ति कर दी

अब पुलिस जांच हमारी निगरानी में होगी, कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक बयान दिया था

जबलपुर/नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर दर्ज एफआईआर की भाषा पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने गुरुवार को मंत्री विजय शाह के खिलाफ एफआईआर को सिर्फ खानापूर्ति बताया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अब इस पुलिस जांच की निगरानी कोर्ट करेगी। जांच किसी दबाव में प्रभावित ना हो इसलिए ऐसा करना जरूरी है। हाईकोर्ट इस मामले में छुट्टियों के बाद फिर सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला- मंत्री से जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है- इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आप हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। आप किस तरह के बयान दे रहे हैं? देखना चाहिए कि कैसे हालात हैं? आप जिम्मेदार पद पर हैं, जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

हाईकोर्ट की टिप्पणी और राज्य सरकार की दलील- प्रदेश सरकार- महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट के आदेश पर बुधवार शाम 7:55 बजे इंदौर के मानपुर थाने में विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई।

हाईकोर्ट

हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने गुरुवार को अपना आदेश सुनाते हुए कहा था... एफआईआर को पूरी तरह से देखने पर संदिग्ध के कार्यों का एक भी उल्लेख नहीं मिला, जो उसके खिलाफ दर्ज किए गए अपराधों के तत्वों को संतुष्ट करता हो। एफआईआर इस तरह दर्ज की गई ताकि यदि पूर्ववर्ती सीआरपीसी की धारा 482 के अंतर्गत चुनौती दी जाती है तो इसे रद्द किया जा सके, क्योंकि इसमें भौतिक विवरण की कमी है न्यायालय निर्देश देता है कि 14 मई का पूरा आदेश एफआईआर के पैरा 12 के भाग के रूप में पढ़ा जाएगा।

अब सपा के रामगोपाल यादव ने कहा व्योमिका सिंह जाट्व हैं, एयर मार्शल यादव

मुरादाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ीं कर्नल सोफिया के बाद अब विंग कमांडर व्योमिका सिंह के बारे में विवादित टिप्पणी की गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चाचा रामगोपाल यादव ने उनके लिए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। इनमें कुछ ऐसे शब्द हैं, जो हम लिख नहीं सकते हैं। गुरुवार को यूपी के मुरादाबाद में रामगोपाल ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ शामिल विंग कमांडर व्योमिका सिंह हरियाणा की जाट व है... हैं। लेकिन भाजपा ने राजपूत समझकर व्योमिका के बारे में कुछ नहीं कहा, जबकि मुसलमान होने पर भाजपा के मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को गाली दी।

संपादकीय

'आपरेशन सिंदूर' से साफ संदेश...

भारत-पाक संघर्ष विराम के बाद प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। आतंकवाद और बातचीत या व्यापार साथ-साथ नहीं चल सकते। सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित किया गया है, वह समाप्त नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर अब भारत की नई नीति है। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया था कि संघर्ष विराम अस्थायी है, सेना नए अभियान के लिए तैयार है। फिर राष्ट्र के नाम संबोधन के अगले दिन प्रधानमंत्री आदमपुर वायुसेना अड्डे पर सैनिकों से मिलने गए और वहां भी यही संकेत दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति यथावत है।

इस तरह अचानक किए गए संघर्ष विराम के फैसले को लेकर पिछले दो-तीन दिनों से जो अटकलें लगाई और सवाल उठाए जा रहे थे, उन पर विराम लग जाना चाहिए। सेना बार-बार कहती रही है कि उसका सैन्य अभियान आतंकवाद के खिलाफ था। अब भी प्रधानमंत्री ने वही बात दोहराई है कि आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना ही हमारा असल मकसद है। प्रधानमंत्री ने प्रकारांतर से पाकिस्तान और भारत के बीच के मसलों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के प्रस्ताव पर स्पष्ट कह दिया कि जब भी बात होगी तो पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद पर ही होगी।

पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए थे। इसके साथ ही सरकार ने सप्रमाण दुनिया भर को बता दिया था कि उसका मकसद पाकिस्तान पर नहीं, बल्कि वहां चल रहे आतंकी संगठनों पर हमला करना

था। मगर पाकिस्तान ने उसके जवाब में भारतीय सीमा के नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी थी, जिसका जवाब देना जरूरी हो गया था। ऐसे में स्थिति लगातार संघर्ष के बढ़ते जाने की बन गई थी।

संघर्ष किस हद तक पहुंच जाता, कहना मुश्किल है। इसलिए सैन्य संघर्ष पर विराम और आतंकवाद के खिलाफ नई रणनीति बनाना जरूरी था। भारत शुरू से कहता रहा है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। फिर, उसका जोर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और दुनिया की शीर्ष शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं में शुमार होने पर है। ऐसे में पाकिस्तान के साथ लंबे समय तक सैन्य संघर्ष में उलझे रहना कोई समझदारी की बात नहीं होती। फिर, जिस तरह के वैश्विक समीकरण बने हैं, उसमें यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित रह पाता, यह कहना भी मुश्किल था।

इसके अलावा, दुश्मन देश के साथ तनाव के वातावरण में अगर कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहा हो तो उसे ठीक नहीं कहा जा सकता। संघर्ष विराम के बाद भी सीमा पर पाकिस्तानी सेना की तरफ से गोलीबारी थमी नहीं है। सेना ने आशंका जाहिर की है कि ऐसा वह आतंकवादियों की घुसपैठ कराने और हमारी चौकियों पर कब्जा करने की मंशा से कर रही होगी। शोपियां में तीन आतंकवादियों के मारगिराने की घटना भी संघर्ष विराम के बाद की है।

इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। इस सैन्य संघर्ष के समय यह एक बार फिर उजागर हो गया कि पाकिस्तानी सेना का आतंकी संगठनों के साथ गहरे रिश्ते हैं। ऐसे में, अगर भारतीय सेना ने नई रणनीति के लिए कुछ समय का विराम लिया है, तो इसे अनुचित नहीं कहा जा सकता।

आतंकी हमले के बाद ट्रोल्स का हमला, जब अपने ही निशाने पर आ गए जिम्मेदार अफसर

पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश के लोगों में पाकिस्तान के प्रति आक्रोश स्वाभाविक था। मगर सवाल है कि क्या ऐसे आक्रोश को किसी उन्माद में तब्दील होने की इजाजत दी जा सकती है, जो अपने ही देश के जिम्मेदार अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ आक्रामक दुर्व्यवहार पर उतर आए? भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष संबंधी सूचनाएं आधिकारिक रूप से देश के विदेश सचिव के रूप में विक्रम मिसरी लोगों तक पहुंचा रहे थे। एक तरह से वे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सामूहिक प्रयासों का एक हिस्सा हैं। मगर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सूचना जारी करने के बाद उन्हें और उनके परिवार को सोशल मीडिया के जरिए निहायत फूहड़, आक्रामक अभद्रता और धमकियों का सामना करना पड़ा। उनकी बेटी के संपर्क को सार्वजनिक कर दिया गया। सवाल है कि जिन लोगों ने विदेश सचिव और उनके परिवार के खिलाफ इस हद तक आनलाइन दुर्व्यवहार किया, क्या उन्हें कहीं से भी देश के प्रति निष्ठा और कर्तव्य भाव रखने वाला माना जा सकता है? इन्हीं लोगों ने पहलगाम में मारे गए नौसेना अधिकारी की पत्नी के खिलाफ भी अशोभन टिप्पणियां की थी। इन घटनाओं के जोखिमों को देखते हुए ही कई नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने एकजुट होकर विदेश सचिव का समर्थन किया है। साथ ही राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस परगहरी चिंता जताई और इसकी सख्त निंदा की है। पहलगाम में आतंकवादियों के बर्बर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जो कार्रवाई की, वह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। इसका अर्थ है कि आतंकवादियों के खिलाफ कोई भी नरमी नहीं बरती जाएगी। मगर भारत सरकार ही अंतिम प्राधिकार है, जो यह तय करेगी कि आतंकवादियों के विरुद्ध कैसी प्रतिक्रिया हो। भारत की कार्रवाई के जवाब में पाकिस्तान ने अनुचित तरीके से गोलाबारी की, तो भारत ने उसका भी उचित जवाब दिया। विडंबना यह है कि आनलाइन दुर्व्यवहार करने वालों की कई बार अनदेखी कर दी जाती है। जबकि ऐसे लोगों से कानून के दायरे में उचित तरीके से निपटने की जरूरत है, ताकि इंटरनेट की दुनिया सच्चे लोगों के लिए सुरक्षित हो।

आज का कार्टून

युद्धकाल में सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल उचित नहीं

> भारत के हमलें में भारी नुक़सान उठाने के बाद से पाक के षड्यंत्रकारी हुक्मरान बुरी तरह से तिलमिला उठे हैं, जिसके चलते ही उन्होंने भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीज़फायर का उल्लघंन करते हुए भारी गोलीबारी करनी शुरू कर दी थी, जिसमें हमारे कुछ वीर योद्धा व आम नागरिक भी शहीद हुए। रात में पाकिस्तान ने भारत में बहुत सारी जगहों पर ड्रोन व मिसाइल से हमला करके एक तरह से भारत के ख़िलाफ़ एक अघोषित युद्ध की शुरुआत कर दी थी। हालांकि इन हमलों को हमारे वीर योद्धाओं ने विफल करते हुए पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करके उसको मुंहतोड़ जवाब देना शुरू कर दिया था, जिससे पाकिस्तान के अंदर से जान-माल के बहुत बड़े नुक़सान की खबरें अब बाहर आने लग गयी थी। जिससे आम लोगों की नज़रों में सेना के मां भारती के वीर सपूतों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी वॉर नायक के रूप में छवि बन रही थी, जिस देखकर के मोदी विरोध में अंधे गैंग ने भारत के वीर योद्धाओं व सरकार पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए, सोशल मीडिया पर हैसटैग चला कर तत्काल भारत पाकिस्तान के इस अघोषित युद्ध को रोकने की मांग तक कर डाली थी।

दीपक कुमार त्यागी

पूरी दुनिया यह अच्छे से जानती है कि इस्लामिक देश पाकिस्तान आतंक व आतंकियों को पालता-पोसता है और उनके नापाक मंसूबों को पूरा करने में सहयोग देता है। फिर भी दुनिया के ताकतवर देश पाकिस्तानी उर्फ आतंकिस्तान के द्वारा पनाह दिये गये आतंकियों से पीड़ित होने के बाद भी उसको आतंकी देश तक घोषित नहीं करते हैं। वहीं पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षित जगहों पर पनाह लिए हुए मानवता के सबसे बड़े दुश्मन आतंकवादियों के ख़िलाफ़ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले उनके खात्मे के लक्ष्य को लेकर के मां भारती के वीर जांबाज सपूतों ने 6-7 मई 2025 की रात को जान हथेली पर रखकर के 1 बजकर 4 मिनट ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर दिया था। जिस ऑपरेशन के अंतर्गत पीओके व पाकिस्तान में घुसकर के आतंकियों के 9 महत्वपूर्ण लक्षित ठिकानों पर सेना के वीर योद्धाओं ने एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर एयर स्ट्राइक करने की खबर सुनते ही पूरी दुनिया भौंचक्का रह गई थी। एयर स्ट्राइक के बाद आतंकियों के आका पाकिस्तान ने भारत के शहरों, सैन्य ठिकानों, स्कूल, कॉलेज, गुरुद्वारा, मंदिर, अस्पताल आदि को गोलीबारी, बमबारी, ड्रोन, मिसाइल आदि से निशाना बनाना शुरू कर दिया था। लेकिन जब कुछ समय के बाद ही भारतीय वीरों ने पाक के इस दुस्साहस का जवाब बहुत जबरदस्त ढंग से धरातल पर देना शुरू कर दिया, तो उससे पाक के विभिन्न शहरों में भारी जान-माल का नुक़सान होना शुरू हो गया था, जिसे देखकर के पाकिस्तान की सेना व बड़बोले हुक्मरानों के पैरों तले से जमीन खिसकने लग गई थी, वह भारत के साथ-साथ दुनिया भर के देशों से अपनी जान बचाने के लिए मदद करने की गुहार लगाने लग गया था।

हालांकि भारत के हुक्मरानों ने भी दो टूक शब्दों यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन शांति की बातों का चोला ओढ़कर के भारत में आतंकवाद फैलाने का का काम अब एक साथ नहीं चल सकता है, अब तो पाकिस्तान के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकी घटना भारत के ख़िलाफ़ पाक के द्वारा युद्ध माना जायेगा और भारत पाकिस्तान को गोली का जवाब अब गोले से देने का कार्य करेगा। जिससे भयभीत होकर पाक ने 10 मई की दोपहर को भारत के डीजीएमओ से फोन पर सीज़फायर करने के लिए बात की, जिसके चलते ही 10 मई की शाम को दोनों देशों के बीच सीज़फायर की घोषणा हो गयी। लेकिन सीज़फायर की घोषणा होती ही जो राजनीतिक दल पाकिस्तान के ख़िलाफ़ हर तरह की छोटी-बड़ी कार्रवाई में भारत सरकार के साथ एकजुट होकर खड़े हुए थे, उसमें से कुछ दलों के चंद राजनेताओं ने अब क्षणिक राजनैतिक लाभ हासिल करने के लिए सेना व मोदी सरकार के शौर्य और रणनीति पर प्रश्नचिन्ह लगाना शुरू कर दिया। जबकि सरकार ने नपे-तुले शब्दों में ही सीज़फायर करने की घोषणा करते समय ही दुनिया से स्पष्ट कर दिया था कि भारत युद्ध का पक्षधर नहीं है लेकिन आतंक व आतंकियों के ख़िलाफ़ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति सख्ती के साथ जारी रहेगी, आतंकवादियों के आकाओं को अब बख्शा नहीं जायेगा। लेकिन फिर भी क्षणिक स्वार्थ व ओछी राजनीति के चलते हुए ही युद्धकाल के दौर में ही चंद लोगों व राजनेताओं के द्वारा सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल खड़े करने शुरू करने की साज़िश देश में बहुत ही तेज़ी से होने लगी है। वैसे देखा जाए तो यह वही चंद लोग हैं जो जंग के समय भी सोशल मीडिया के ताकतवर प्लेटफार्म पर देश के दुश्मनों के साथ खुलकर खड़े थे और यह गैंग भारतीय सेना की कार्रवाई पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए पाकिस्तान को लाभ देने वाली पोस्ट तक सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर करने में लगे हुए थे, जो कि देशहित में बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि 7 मई 2025 की सुबह भारत सरकार की प्रेस ब्रीफिंग से जब दुनिया को यह पता चला कि भारत की वीर सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर के पहलगाम की ÷बैसरन घाटी÷ में हुए आतंकी हमले का बदला पाक में एयर स्ट्राइक करके ले लिया है, जिसमें सैकड़ों की संख्या में पाक के दुर्दांत आतंकियों के साथ-साथ आतंकियों के ट्रैनिंग सेंटर व लांच पैड तक तबाह हो गये हैं, तो उस वक्त सब भारत की वीरता को देख आश्चर्य चकित थे। भारत के हमलें में भारी नुक़सान उठाने के बाद से पाक के षड्यंत्रकारी हुक्मरान बुरी तरह से तिलमिला उठे हैं, जिसके चलते ही उन्होंने भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में सीज़फायर का उल्लघंन करते हुए भारी गोलीबारी करनी शुरू कर दी थी, जिसमें हमारे कुछ वीर योद्धा व आम नागरिक भी शहीद हुए। रात में पाकिस्तान ने भारत में बहुत सारी जगहों पर ड्रोन व मिसाइल से हमला करके एक तरह से भारत के ख़िलाफ़ एक अघोषित युद्ध की शुरुआत कर दी थी। हालांकि इन हमलों को हमारे वीर योद्धाओं ने विफल करते हुए पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करके उसको मुंहतोड़ जवाब देना शुरू कर दिया था, जिससे पाकिस्तान के अंदर से जान-माल के बहुत बड़े नुक़सान की खबरें अब बाहर आने लग गयी थी। जिससे आम लोगों की नज़रों में सेना के मां भारती के वीर सपूतों के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी वॉर नायक के रूप में छवि बन रही थी, जिस देखकर के मोदी विरोध में अंधे गैंग ने भारत के वीर योद्धाओं व सरकार पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए, सोशल मीडिया पर हैसटैग चला कर तत्काल भारत पाकिस्तान के इस अघोषित युद्ध को रोकने की मांग तक कर डाली थी। लेकिन मोदी सरकार ने सेना के वीर योद्धाओं पर पूरा भरोसा जताया। जिसके चलते ही भारत ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ ÷छेड़ेंगे तो छोड़ेंगे नहीं घर में घुसकर मारेंगे÷ की रणनीति पर तेज़ी के साथ युद्ध के मैदान में कार्य करना शुरू कर दिया था। सेना के वीरों ने पाकिस्तान के बड़े महत्वपूर्ण शहरों, सैन्य एयरबेस, सैन्य ठिकानों में लक्षित स्थलों को तय रणनीति के साथ ध्वस्त करने का कार्य बखूबी किया था। जिसे देखकर के भारत के बहुत सारे देशभक्त आम लोगों को लगता था कि अगले चंद दिनों में पीओके भारत के पास वापस आ जायेगा और आतंकियों के आका पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े होकर के नक्शे से उस देश का हमेशा के लिए वजूद मिट ही जायेगा। लेकिन 10 मई 2025 को कूटनीति के चलते भारत को भी सीज़फायर के लिए अपने द्वारा तय की गयी शर्तों पर सहमति देनी पड़ी थी, जिसने भारत के करोड़ों देशभक्तों के पाक के टुकड़े-टुकड़े करने के सपनों पर पानी फेर दिया था। जिससे कुछ लोगों में मोदी सरकार के प्रति आक्रोश उत्पन्न अवश्य हुआ है, क्योंकि पाक की धोखा देने की नीति व वर्ष 1947, 1965, 1971 व 1999 के सीज़फायर का हश्र आज भी इन लोगों को आज भी याद है, उनका यह मानना है कि पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आयेगा, हालांकि इसकी इसकी एक बानगी तो 10 मई व 12 मई की रात को पाकिस्तान सीज़फायर का उल्लघंन करके दुनिया को दिखा भी चुका है। जिसे देखकर के मोदी विरोध में अंधा गैंग एकबार फिर से तेज़ी से सक्रिय हुआ और इन कुछ लोगों व कुछ राजनेताओं ने एकबार फिर से अपनी क्षणिक राजनीति के लिए सेना व सरकार के शौर्य और रणनीति पर सवाल उठा कर के नरेन्द्र मोदी सरकार की नीति व नीयत पर प्रश्नचिन्ह लगाने शुरू कर दिया है। यह लोग मोदी विरोध में इतने अंधे हो गये हैं कि इन लोगों को मोदी विरोध व देश विरोध का अंतर तक भी अब तो स्पष्ट रूप से नज़र नहीं आता है। हालांकि इन लोगों को समय रहते ही यह समझना चाहिए की मोदी विरोध के लिए युद्धकाल का समय चुन कर के वह भारत के सबसे बड़े दुश्मन पाकिस्तान का ही सहयोग कर रहे हैं। उन्हें यह भी समझ जाना चाहिए कि अब युद्ध वर्ष 1947, 1965, 1971 व 1999 की तरह केवल जंग के मैदान में ही वीरता, बुद्धिमत्ता के साथ नहीं लड़ा जाता है, बल्कि अब तो युद्ध जंग के मैदान के साथ-साथ कूटनीतिक, व्यापार, आईटी, टेक्नोलॉजी आदि के मोर्चे पर भी पूरी वीरता व बुद्धिमत्ता के साथ लड़ा जाता है, देशहित में हर मोर्चे का इजरायल की तरह एकजुट होकर के बारीकी से निरंतर आंकलन करना होता है, तब ही मैदान-ए-जंग में विजय प्राप्त होती है।

सीजफायर का श्रेय लेने की कोशिश में अमेरिका

> ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने मनीकंट्रोल से बात करते हुए कहा, ट्रंप का बयान हमें बताता है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है, साथ ही यह भी पुष्टि करता है कि अमेरिका इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रमुख रणनितिक साझेदार मानता है। लेकिन श्रीवास्तव ने ट्रंप के बयान पर असहमति जताते हुए कहा, वाशिंगटन अभी भी भारत और पाकिस्तान को पुराने 'हाइफ़नेटेड' लेंस से देखता है। यह तब स्पष्ट हो गया जब 10 मई को ट्रंप के पोस्ट में आतंकवाद का एक बार भी ज़िक्र किए बिना 'भारत और पाकिस्तान के मज़बूत और अटूट शक्तिशाली नेतृत्व' की प्रशंसा की गई।

सूरज तिवारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब में एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर श्रेय लेने की कोशिश की। ट्रंप ने न केवल इस लड़ाई को रोकने का श्रेय लिया बल्कि उन्होंने ये भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान परमाणु हमले की तरफ बढ़ रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने दोनों देशों से धमकी भरे लहजे में कहा कि अगर दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुए तो अमेरिका उनके साथ व्यापारिक संबंध रोक देगा। हालांकि सबसे महत्वपूर्ण सवाल ये हैं कि भारत पाकिस्तान संघर्ष को लेकर सरकार ट्रंप के बयान को खारिज क्यों कर रही है? दरअसल दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर ट्रंप ने ही सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए से लोगों से जानकारी शेयर की थी। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष 6-7 मई (मंगलवार-बुधवार) की रात से शुरू हुआ था, जब भारत ने पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। इसके बाद से दोनों देशों के बीच फायरिंग और ड्रोन अटैक होने लगे। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बनती जा रही थी कि दोनों देशों के बीच बढ़ता तनाव कभी भी युद्ध का रूप ले सकता था। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की खबर दी।

उन्होंने दावा किया कि दोनों ही देश तत्काल प्रभाव से सीजफायर के लिए सहमत हो गए हैं और ये समझौता संयुक्त राज्य अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद हुआ। इसके ठीक बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी सीजफायर का श्रेय लेने की कोशिश की। सबसे महत्वपूर्ण बात ये कि भारत सरकार ने ट्रंप के बयान वाले दिन खंडन नहीं किया। हालांकि फिर बाद में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के दावों को खारिज कर दिया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार 10 मई को इस बात की पुष्टि की थी कि पाकिस्तान के डीजीएमओ ने दोपहर 3.35 बजे भारतीय डीजीएमओ से फोन पर सीधी बातचीत की थी। उन्होंने ये भी बताया कि पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की ओर से शनिवार दोपहर 12.37 बजे ही रिक्वेस्ट भेजा गया था लेकिन कुछ तकनीकी समस्या की वजह से दोपहर 3.35 बजे बात हो पाई। आगे उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत हुई है किसी तीसरे देश की कोई मध्यस्थता का कोई सवाल ही नहीं है। जबकि विदेश मंत्रालय ने इस बात से भी इनकार किया कि पाकिस्तान से लड़ाई के दौरान अमेरिका के साथ व्यापार को लेकर कभी बातचीत नहीं हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस पूरे मामले पर ट्रंप ने कहा था कि अगर आप दोनों इस लड़ाई को रोकते हैं तभी हम व्यापार कर रहे हैं और अगर आप इसे नहीं रोकते हैं तो हम कोई व्यापार नहीं करने जा रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि अभी तक किसी ने व्यापार का इस्तेमाल इस तरह से नहीं किया है जिस तरह से ट्रंप ने किया। उन्होंने कहा कि वो आपको बता सकते हैं कि उन्हें ऐसा लग गया कि हम इसे रोकने जा रहे हैं, और उन्होंने ऐसा किया। ट्रंप ने आगे कहा कि हम पाकिस्तान के साथ कई क्षेत्रों में ढेर सारा व्यापार करने जा रहे हैं। इसी तरह हम भारत के साथ भी कई क्षेत्रों ढेर सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम वर्तमान में भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही पाकिस्तान के साथ बातचीत करने की तैयारी में हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को सीजफायर पर सहमति बनने तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच सैन्य स्थिति पर बातचीत होती रही। हालांकि इस दौरान किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। वहीं विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के परमाणु हमले की बात को भी खारिज कर दिया। रणधीर जायसवाल ने बताया, सैन्य कार्रवाई पूरी तरह से एक सामान्य प्रक्रिया की तरह थी। ऐसी कुछ रिपोर्टें थीं कि पाकिस्तान की राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण की बैठक 10 मई को होगी। लेकिन बाद में उन्होंने इसका खंडन किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने खुद ही परमाणु हमले की बात से इनकार किया है।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष जल्दी ही परमाणु हमले तक पहुंचने वाला था। ट्रंप ने आगे कहा, हमने एक परमाणु संघर्ष को रोका। मुझे लगता है कि यह एक भयानक परमाणु युद्ध हो सकता था, जिसमें लाखों लोग मारे जा सकते थे। इसलिए मुझे इस पर बहुत गर्व है। वहीं इस बात की काफी अटकलें लगाई जाने लगीं कि भारत पाकिस्तान के किस ना हिल्स पर हमला किया है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना ??है कि वहां पाकिस्तान के परमाणु से जुड़ा एक हिस्सा मौजूद है। हालांकि, सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एयर मार्शल ए.के. भारती ने ऐसे किसी भी दावों को खारिज कर दिया। भारती ने कहा, हम किसी ना हिल्स तक नहीं पहुंचे हैं। वहीं ट्रंप के बयानों को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की टिप्पणियों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने मनीकंट्रोल से बात करते हुए कहा, ट्रंप का बयान हमें बताता है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता जल्द ही हो सकता है, साथ ही यह भी पुष्टि करता है कि अमेरिका इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रमुख रणनितिक साझेदार मानता है। लेकिन श्रीवास्तव ने ट्रंप के बयान पर असहमति जताते हुए कहा, वाशिंगटन अभी भी भारत और पाकिस्तान को पुराने 'हाइफ़नेटेड' लेंस से देखता है। यह तब स्पष्ट हो गया जब 10 मई को ट्रंप के पोस्ट में आतंकवाद का एकबार भी ज़िक्र किए बिना 'भारत और पाकिस्तान के मज़बूत और अटूट शक्तिशाली नेतृत्व' की प्रशंसा की गई। पाकिस्तान के बार-बार हमलों के बावजूद, नेअमेरिका ने उसे कूटनीति और डॉलर दोनों से पुरस्कृत करना चुना। यह अवसर वार्द मध्यस्थता है।

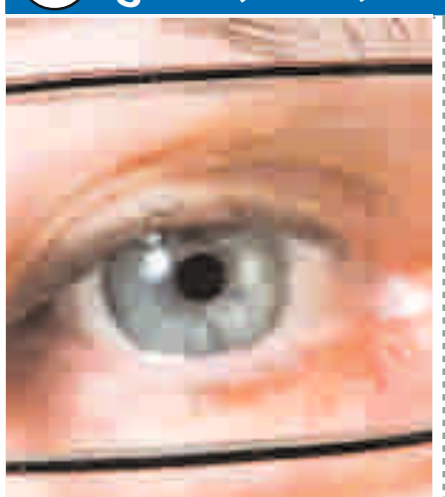

आंखों में नजर आने वाले डॉट्स हो सकते हैं आई फ्लोटर्स के संकेत

आई फ्लोटर्स आंखों की एक समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित कर सकती है। यह समस्या तब होती है, जब आंखों के अंदर के चिपचिपे पदार्थ के संतुलन में दिक्कत होने लगती है। आइए जानते हैं इसके कारणों और बचाव के लिए क्या खाएं इसके बारे में।

कई बार आंखों में डॉट्स नजर आते हैं, लेकिन लोग ऐसा क्यों हो रहा है, इसके कारणों को समझ नहीं पाते हैं। ऐसा आई फ्लोटर्स के कारण हो सकता है। आंखों में जब विट्रोस ह्यूमर जमा होने लगे, तो ऐसी स्थिति को आई फ्लोटर्स कहते हैं। विट्रोस ह्यूमर एक तरह का चिपचिपा पदार्थ होता है, जो आंख के पिछले हिस्से में भर जाता है और आंखों के लगभग दो-तिहाई भाग में फैल जाता है। जिन लोगों को यह समस्या होती है उन्हें आंखों में धब्बे या डॉट्स नजर आने लगते हैं। आई मूवमेंट के दौरान इन डॉट्स को देखा जा सकता है।

आई फ्लोटर्स के लक्षण

आई फ्लोटर्स के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। इसके लक्षणों में आंखों के सामने डॉट या धब्बा नजर आना शामिल है। यह समस्या एक या दोनों आंखों में हो सकती है। इसके अलावा लाइट या आसमान की ओर देखने पर आंखों में धागे जैसी संरचना भी नजर आ सकती है।

आई फ्लोटर्स के कारण

- आंख से चिपचिपा पदार्थ आना
- आंख में लगी कोई चोट
- आंखों से ब्लीडिंग होना
- आई इंफेक्शन होना
- आंखों में सूजन होना

बचाव के लिए इन फूड्स का करें सेवन

मछली - मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके लिए आप टूना, सैल्मन आदि मछलियों का सेवन कर सकते हैं।

गाजर - आंखों के लिए गाजर अच्छा होता है। इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन दोनों ही भरपूर मात्रा में होते हैं। ये पोषक तत्व आंखों को कई बीमारियों से बचाता है

नट्स - आंखों की अच्छी सेहत के लिए नट्स और फलियां को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा मौजूद होती हैं और नट्स में विटामिन-ई भी हाई होता है।

खट्टे फल - खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू और आंवला भी विटामिन सी से भरपूर होता है, जोकि आंखों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

कुछ ऐसे हर्ब्स और सब्जियां होती हैं, जिनमें अद्भुत शक्तियां होती हैं। इनका पानी पीने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग हो सकती है। ये हर्ब्स और सब्जियां भिंडी, अदरक, दालचीनी, पीपली और पुदीना हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

इन 5 तरह के पानी से हर मौसम में बीमारियां रहेंगी दूर, आप भी बनाकर करें ट्राई

हेल्दी मेटाबॉलिज्म और बढ़िया इम्यूनिटी पाने के लिए हम अपने आहार में कई तरह के सप्लीमेंट्स को शामिल करते हैं। जरूरी नहीं कि ये सप्लीमेंट्स हर व्यक्ति को सूट करें। इसकी बजाय आप नेचुरल रेमेडी का सहारा ले सकते हैं। कुछ ऐसे हर्ब्स और सब्जियां होती हैं, जिनमें अद्भुत शक्तियां होती हैं। इनका पानी पीने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग हो सकती है। ये हर्ब्स और सब्जियां भिंडी, अदरक, दालचीनी, पीपली और पुदीना हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। इस आर्टिकल में आइए इन इंग्रीडिएंट्स के बेनिफिट्स जानें और इन्हें कैसे आहार में शामिल करना है, जानें।

भिंडी

भिंडी पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है जो विटामिन, खनिज और डाइट्री फाइबर का अच्छा स्रोत है। विटामिन-ए, सी और के से भरपूर, भिंडी इम्यूनिटी फंक्शन और त्वचा के स्वास्थ्य का समर्थन करती है। इसका घुलनशील फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है। जब मेटाबॉलिज्म की बात आती है, तो भिंडी ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करने और इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में सहायता करती है। यह इंसुलिन स्पाइक्स और क्रैश को रोक सकता है, जो संतुलित मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

पिपली

इसे लॉन्ग पेपर के नाम से भी जाना जाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। पिपली में पिपेरिन होता है, जो पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाने और मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। पिपेरिन पाचन में सहायता करने और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करने के लिए अच्छा है। यह थर्मोजेनेसिस को भी उत्तेजित कर सकता है, जिससे कैलोरी बर्न करने में वृद्धि होती है और मेटाबॉलिक फंक्शन में सुधार होता है।

अदरक

अदरक को सदियों से इसके औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें जिंजरोल और शोगोल जैसे बायोएक्टिव यौगिक होते हैं जिनमें सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव होते हैं। अदरक पाचन एंजाइम्स के उत्पादन को उत्तेजित करके पाचन में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त, अदरक में थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जिसका अर्थ है कि यह शरीर के तापमान को बढ़ा सकता है और कैलोरी बर्निंग को बढ़ावा देता है। यह वॉर्मिंग प्रभाव मेटाबॉलिक रेट को बढ़ा सकता है और वजन प्रबंधन में हेल्प कर सकता है।

दालचीनी

दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं है, यह स्वास्थ्य लाभों का एक पावरहाउस है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और ऐसे यौगिक होते हैं जो इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करते हैं, सूजन को कम करते हैं और ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करते हैं। दालचीनी ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है, जो ब्लड शुगर में गिरावट के कारण होने वाले अधिक खाने को रोक सकती है।

पुदीना

पुदीना न केवल ताजगी देता है बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें मेन्थॉल जैसे यौगिक होते हैं जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद कर सकते हैं, सूजन को कम कर सकते हैं और अपच से राहत दिला सकते हैं। इसके अलावा, पुदीने का औषधीय पानी स्वाद को बढ़ाता है, पेट को गर्मी से राहत पहुंचाता है और पाचन को दुरुस्त रखता है।

ये सामग्रियां कैसे करती हैं काम

ब्लड शुगर रेगुलेशन

भिंडी, दालचीनी और अदरक ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करने के लिए प्रभावी तरीके से काम करते हैं। यह इंसुलिन स्पाइक्स को रोकने में मदद कर सकते हैं और साथ ही बैलेंस्ड मेटाबलॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं।

पाचन स्वास्थ्य

अदरक, पुदीना और पिपली स्वस्थ पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ावा देते हैं। अगर आपका पाचन तंत्र अच्छा है, तो आपका मेटाबॉलिज्म भी अच्छा होगा, जो वेट मैनेज करने के लिए अच्छा हो सकता है।

थर्मोजेनेसिस

अदरक, दालचीनी और पिपली थर्मोजेनेसिस को बढ़ाते हैं। इसका मतलब है कि इन इंग्रीडिएंट्स से कैलोरी बर्निंग रेट में वृद्धि होती है। इससे मेटाबॉलिज्म रेट भी बढ़ता है।

कैसे पी सकते हैं ये मेडिसिनल पानी?

इन चीजों को आप कुकिंग में भी उपयोग कर सकते हैं। मगर सबसे अच्छा तरीका है कि आप इन मेडिसिनल वॉटर को डिटॉक्स ड्रिंक के रूप में पिएं। सुबह ये पानी पीने से न सिर्फ शरीर टॉक्सिन्स को बाहर निकालेगा, पर आप पूरे दिन के लिए तैयार होंगे।

क्या तनाव की वजह से बीपी लो भी हो सकता है?

तनाव सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। इसकी वजह से बीपी बढ़ जाता है और दिल पर भी असर होता है। इतना ही नहीं, स्ट्रेस के कारण, हमारी ओवरऑल हेल्थ भी खराब होती है। हम सभी यह बात जानते हैं कि तनाव लेने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आपने अक्सर घर में बड़े-बुजुर्गों को भी यह बात कहते सुना होगा। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इसकी वजह से बीपी कम भी हो सकता है। जी हां, सेहतमंद रहने के लिए, तनाव से दूर रहना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बीपी लेवल का भी अधिक या कम होना सही नहीं है। क्या अधिक तनाव, लो बीपी का कारण भी बन सकता है, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

क्या स्ट्रेस की वजह से बीपी लो भी हो सकता है?

- स्ट्रेस को हमेशा हाई बीपी से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन, इसकी वजह से कुछ लोगों को हाइपोटेंशन यानी लो बीपी की दिक्कत भी हो सकती है।
- अधिक तनाव की वजह से बीपी हाई होता है क्योंकि इसके कारण, स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होते हैं। लेकिन, लंबे वक्त तक तनाव में रहना उल्टा असर भी दिखा सकता है।
- जब हम लंबे समय तक तनाव में रहते हैं, तो इसके कारण, शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है और एड्रेनल ग्लैंड्स, पर्याप्त मात्रा में भी स्ट्रेस हार्मोन नहीं बना पाती हैं।
- जिस तरह स्ट्रेस हार्मोन का बढ़ना सही नहीं है, उसी तरह, इसके सामान्य से कम होने के भी नुकसान होते हैं।
- इसके कारण, शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस होता है और इस हार्मोनल इंबैलेंस के कारण, बीपी लो हो जाता है।
- बहुत अधिक तनाव, वासोवागल सिंकोप का भी कारण बन सकता है। इसकी वजह से नर्व्स, दिल को धीमे धड़कने का सिग्नल देती हैं और ब्लड वेसल्स चौड़ी हो जाती हैं।
- इसके कारण, बीपी अचानक से ड्रॉप हो जाता है और दिल की धड़कन धीमी हो जाती है। इसकी वजह से मस्तिष्क में ब्लड फ्लो कम हो जाता है और थकान, कमजोरी व बेहोशी हो सकती है।
- वहीं, कई बार अधिक स्ट्रेस में रहने के कारण, व्यक्ति मील्स स्किप करने लगता है, डिहाइड्रेट रहता है और नींद भी पूर ही नहीं होती है। इसकी वजह से भी बीपी लो हो सकता है।
- जिन लोगों का बीपी पहले से ही लो रहता है, वे अगर स्ट्रेस लें तो दिक्कत और बढ़ सकती है।

नहीं छूट रही है जंक फूड की लत ये टिप्स आएंगे आपके काम

खास मौके पर अपने पसंदीदा फूड का मजा लेने में कोई हर्ज नहीं है, पर यह आपके नियमित आहार का हिस्सा बन जाए तो फिर ऐसी लत आपके सेहत के लिए नुकसानदेह हो जाती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं जंक फूड की लत की जो आज के समय में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को अपना शिकार बना चुकी है।

इस लत के चलते लोग पेट से जुड़ी समस्याओं से लेकर डायबिटीज और दूसरी गंभीर बीमारियों का तेजी से शिकार हो रहे हैं। ऐसे में समय रहते इस लत पर काबू पाना बेहद जरूरी है, पर स्वाद और शौक के चलते यह लत आसानी से नहीं छूट पाती है। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसी ही समस्या पेश आ रही है तो हमारा यह आर्टिकल आपके बेहद काम आ सकता है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जो जंक फूड की लत को छोड़ने में मददगार हो सकते हैं।

प्रोटीन का सेवन बढ़ाएं

प्रोटीन सबसे अधिक संतुष्टिदायक पोषक तत्व है, जो आपके आहार शैली पर और भोजन विकल्पों पर इसका शक्तिशाली प्रभाव पड़ता है। मेडिकल क्षेत्र में किए गए शोध बताते हैं कि प्रोटीन का सेवन फूड क्रेविंग और अतिरिक्त भूख की इच्छा को कम करने में सहायक होता है। इसलिए फास्ट फूड की क्रेविंग को कम करने के लिए आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए। इसके लिए आहार में अंडे, दूध, दही, पनीर, नट्स और बीज जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं।

मानसिक तनाव कम करें

तनाव की स्थिति में फूड क्रेविंग की अधिक इच्छा होती है, ऐसे में क्रेविंग पर काबू पाने के लिए तनाव पर नियंत्रण पाना जरूरी है। इसलिए जब भी आपको तनाव महसूस हो तो कुछ खाने की सोचने से पहले खुद को तनाव मुक्त करने की कोशिश करें। इसके लिए आप डीप ब्रीदिंग को आजमा सकते हैं, डीप ब्रीदिंग तनाव को तुरंत नियंत्रित करने में काफी मददगार होती है। इसके अलावा तनाव महसूस होने पर आप अपना पसंदीदा गाना सुन सकते हैं या फिर अपने पसंद की गतिविधि में समय बिताना भी तनाव से राहत दिला सकता है।

भरपूर नींद लें

नींद की कमी शारीरिक और मानसिक समस्याओं की वजह बनने के साथ ही आपके व्यवहार में भी बड़ा बदलाव लाता है। ऐसे में अक्सर लोग या तो भूख से कम खाते हैं या फिर अतिरिक्त भूख की इच्छा उन्हे सताती है। दोनों ही स्थिति में जंक फूड का सेवन बढ़ सकता है, क्योंकि जब भोजन कम लेते हैं तो आपको बाहरी चीजें खाने का मन करता है। इसके अलावा जब आपको अतिरिक्त भूख लगती है तो भी आप जंक फूड के बारे में ही सोचते हैं। इसलिए इस लत पर काबू पाने के लिए जरूरी है कि आप अपनी नींद को पूरी करें और जीवनशैली को संयमित रखें।

हेल्दी स्नैक्स को चुने

क्रेविंग होने पर जंक फूड खाने से बचने के लिए जरूरी है कि आप इसके हेल्दी स्नैक्स विकल्पों को चुने। इसके लिए आप फल, स्मूदी, भुने हुए नट्स, ड्राई फ्रूट्स से बने लड्डू का सेवन कर सकते हैं। ऐसी चीजों के सेवन से जहां क्रेविंग आसानी से शांत होगी तो वहीं इससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में पोषण भी मिलेगा।

प्रोड्यूसर बनीं नयनतारा की पहली फिल्म का टीजर रिलीज

साउथ अभिनेत्री नयनतारा बतौर निर्माता अपनी फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी लेकर आ रही हैं। यह एक रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन नयनतारा के पति विग्नेश शिवन ने किया है। जानिए कब रिलीज होगी यह एक्शन कॉमेडी फिल्म...

नयनतारा का इंस्टाग्राम पोस्ट

नयनतारा ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट के साथ नयनतारा ने फिल्म LIK की एक झलक दिखाई और साथ ही कैप्शन में लिखा, आओ प्यार में पड़ें, इस त्यौहार के मौसम में... प्यार के त्यौहार का जश्न मनाने के लिए 18 सितंबर को आप सभी से मिलते हैं।
फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की स्टार कास्ट लव इंश्योरेंस कंपनी एक साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। इसे राउडी पिक्चर्स और सेवन स्क्रीन स्टूडियो ने मिलकर बनाया है। फिल्म में प्रदीप रंगनाथन, एसजे सूर्या और कृति शेट्टी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। इन सभी के अलावा फिल्म में योगी बाबू, गौरी जी किशन, मिस्किन, सीमन, आनंदराज, सुनील रेड्डी और शाह रा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी

फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी की कहानी काफी इंट्रेस्टिंग हैं, यह फिल्म एक आदमी के प्यार की तलाश की है। वह अपने प्यार की तलाश में एक मोबाइल गैजेट के सहारे साल 2035 के सफर पर चला जाता है। यानी अपने प्यार को पाने के लिए वह आदमी टाइम ट्रेवल करता है। यह फिल्म 18 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दुआ के जन्म के बाद प्रभास की इस फिल्म से वापसी करेंगी दीपिका पादुकोण

मां बनने के बाद अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिर वापसी कर रही हैं। बेबी दुआ के जन्म के बाद उन्होंने पहली फिल्म साइन की है। फिल्म है स्पिरिट। इस साउथ फिल्म में दीपिका एक्टर प्रभास के साथ नजर आएंगी। कहा जा रहा है कि दीपिका ने इस फिल्म में अपने किरदार के लिए तगड़ी फीस वसूली है।

दीपिका के करियर की सबसे ज्यादा फीस

अक्सर कहा जाता है कि शादी और मां बनने के बाद अभिनेत्रियों को फिल्में नहीं मिलतीं, मगर दीपिका पादुकोण इस मामले में नए मानक गढ़ रही हैं। शादी के बाद उन्होंने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया तो बेबी दुआ के जन्म के बाद उनकी फीस में बढ़ोतरी हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट फिल्म के लिए इतनी मोटी फीस ली है कि यह खुद उनके करियर की अब तक की सबसे ज्यादा फीस बताई जा रही है।

बनीं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री

बेटी के जन्म के बाद एक्टिंग से एक छोटे से ब्रेक के बाद दीपिका ने फिल्म स्पिरिट साइन की है। प्रभास की फिल्म स्पिरिट को लेकर चर्चा पहले से ही काफी तेज है, लेकिन दीपिका की फीस ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इंडिया टुडे डिजिटल के एक करीबी सूत्र के मुताबिक, दीपिका को स्पिरिट के लिए इतनी मोटी फीस मिली है कि वे देश की सबसे ज्यादा फीस

लेने वाली अदाकारा बन गई हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें करीब 20 करोड़ रुपये मिले हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में फिल्म स्पिरिट के लिए दीपिका की यह फीस, रणवीर सिंह की हालिया फिल्मों के लिए दी गई फीस से ज्यादा बताई जा रही है। वैसे दीपिका की यह तगड़ी फीस कोई हैरानी की बात नहीं, क्योंकि पद्मावत, पीकू, ये जवानी है दीवानी, पठान और जवान सहित कई फिल्मों में उन्होंने खुद को लगातार साबित किया है। मेकर्स का भरोसा उनमें बढ़ा है। दीपिका और प्रभास इससे पहले फिल्म कल्कि 2898 एडी में साथ काम कर चुके हैं। दर्शक इन्हें फिर परदे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

रिलीज से पहले ही करोड़ों कमाने की तैयारी में ऋतिक रोशन की 'वॉर 2'

ऋतिक रोशन और साउथ स्टार जूनियर एनटीआर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स की इस स्पाई यूनिवर्स को लेकर दर्शकों में जबरदस्त क्रेज है। तो वहीं मेकर्स भी फिल्म को भव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में खबर आई थी कि एक्शन से भरपूर इस फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर का एक जबरदस्त डांस सॉन्ग बैटल भी होगा। अब फिल्म को लेकर एक और बड़ी खबर आ रही है, जो फिल्म की लोकप्रियता और इसको लेकर बने लोगों के उत्साह को दर्शाती है।

तेलुगु वर्जन की बढ़ी डिमांड

'वॉर 2' को लेकर दर्शकों की दीवानगी इस कदर है कि फिल्म रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई करने को तैयार है। 123 तेलुगु की एक एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, वॉर 2 के तेलुगु वर्जन के रिलीज से पहले ही 85 से 120 करोड़ रुपये की कमाई करने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, 'वॉर 2' के तेलुगु राइट्स की मांग 85 से 120 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट की मानें तो टॉलीवुड के शीर्ष निर्माता नागा वामसी और सुनील नारंग तेलुगु डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स को हथियाने की दौड़ में हैं। ये दोनों नाम तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज प्रोड्यूसर में से हैं, जो बड़े बजट की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

14 अगस्त को रिलीज होनी है 'वॉर 2'

'वॉर 2' एक हाई-स्टेक थ्रिलर है। जो 2019 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में ऋतिक एक बार फिर कबीर नाम के जासूस की भूमिका में नजर आएंगे। जबकि जूनियर एनटीआर के फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आने की संभावना है। इन दोनों के अलावा कियारा आडवाणी भी इस फिल्म में ग्लैमर का तड़का लगाती दिखेंगी। 'वॉर 2' 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है।

एकता कपूर के नागिन 7 में देरी क्यों? सामने आई बड़ी वजह

टीवी क्वीन एकता कपूर के शो 'नागिन 7' का फैंस काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। सुपरनैचुरल शो 'नागिन 7' की शूटिंग शुरू होने में लगातार देरी हो रही है। अब शो के लेट होने की बड़ी वजह सामने आ गई है जिससे फैंस को एक बार फिर निराशा हुई है। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एकता और उनकी टीम ने नागिन के नाम पर मुहर नहीं लगाई है। एकता की नई 'नागिन' फाइनल ना होने के चलते शो की शूटिंग शुरू नहीं हो पा रही है। एकता कपूर और उनकी पूरी टीम ने शो की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। कहा जा रहा है कि 'नागिन 7' को रिलीज करने में एकता कपूर जून तक का समय लगा देंगी। खबरों की मानें तो ईशा मालवीय एकता कपूर की नागिन बन सकती हैं। हालांकि अब तक ईशा ने कंफर्म नहीं किया है। ईशा मालवीय, आखिरी बार यूट्यूब शो 'लवली लोला' में नजर आई थीं। उनके किरदार को खूब तारीफ मिली थी।

उर्फी जावेद ने वीज़ा रिजेक्शन के चलते रद्द किया कान्स का सफर

उर्फी जावेद के फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंकाएंगी। लेकिन, अफसोस की बात है कि उर्फी इस प्रतिष्ठित इवेंट में शामिल नहीं हो पाएंगी क्योंकि उनका वीज़ा रिजेक्ट हो गया। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट साझा करते हुए इस रिजेक्शन को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उर्फी ने लिखा, मैंने कुछ भी अपलोड नहीं किया और कहीं नज़र भी नहीं आई क्योंकि मैं एक दौर से गुज़र रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चला। मैंने कई और चीज़ें ट्राई कीं, लेकिन वहां भी रिजेक्शन ही मिला। मेरी टीम और मैं बहुत निराश हो गए। हालांकि इस निराशा के बावजूद, उर्फी ने इस रिजेक्शन को प्रेरणा में बदल दिया और अपने फॉलोअर्स से भी आग्रह किया कि वे भी अपनी रिजेक्शन स्टोरीज़ साझा करें ताकि एक-दूसरे को प्रेरित किया जा सके। उन्होंने लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग भी रिजेक्शन का सामना कर रहे होंगे। चलो एक-दूसरे का सपोर्ट करें और हौसला बढ़ाएं।

कहां अटकी है अनुष्का शर्मा की चकदा एक्सप्रेस

पिछले काफी वक्त से अभिनेत्री अनुष्का शर्मा की फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' अटकी हुई है। ये फिल्म भारत की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। फिल्म की एक झलक भी नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। हालांकि, फिल्म की रिलीज को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में दर्शक इस फिल्म को लेकर कन्फ्यूज हैं। अब झूलन गोस्वामी ने फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है।

प्रोसित रॉय ने किया है निर्देशन

प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित और अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखित 'चकदा एक्सप्रेस' झूलन गोस्वामी की बायोपिक है। लेकिन इसे स्पोर्ट्स बायोपिक से अलग बनाया जाना था। फिल्म के लिए अनुष्का शर्मा ने काफी मेहनत भी की थी। उनका लुक भी फिल्म से सामने आया था। नेटफ्लिक्स ने पहले चकदा एक्सप्रेस का एक टीज़र जारी किया था। हालांकि, बाद में ऐसा बताया गया कि ये फिल्म का फाइनल टीजर नहीं है। ऐसे में उसके बाद फिल्म को लेकर कोई जानकारी भी सामने नहीं आई है। फिल्म में देरी होने के पीछे का अभी तक कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। ऐसे में अब इस फिल्म को लेकर हर किसी को कन्फ्यूजन बना हुआ है।

प्रियंका चोपड़ा ने इब्राहिम अली खान को दी सलाह

फिल्म 'नादानियां' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले एक्टर इब्राहिम अली खान फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के बाद इब्राहिम को मिले-जुले रिएक्शन्स मिले। इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकारों ने इब्राहिम को सलाह दी। ऐसा ही एक संदेश ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा की तरफ से भी सैफ के लाडले को मिला। इब्राहिम ने अब एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया है।
इंटरव्यू में अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए इब्राहिम ने बताया कि प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म देखने के बाद उन्हें एक मैसेज भेजा। इब्राहिम ने कहा, 'प्रियंका ने मैसेज भेजा कि उन्हें मेरी फिल्म पसंद आई है और मेरा भविष्य काफी ब्राइट है।' आगे बात करते हुए इब्राहिम ने कहा, 'उन्होंने मुझे कहा कि बस ऐसे ही मेहनत करते रहो और हमेशा ऐसे ही आगे बढ़ते रहना। प्रियंका जैसी सुपरस्टार से ये बात सुनना मेरे लिए काफी प्रेरणादायक था। इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला।'

एक्टिंग को करियर क्यों चुना?

इस इंटरव्यू में इब्राहिम ने बताया कि उन्हें बहुत कम उम्र से ही फिल्मों की दुनिया को करीब से देखा है। वो अक्सर अपने पिता के साथ सेट पर जाया करते थे और वहीं से उनके दिल में अभिनय का बीज पड़ा। हालांकि, एक्टिंग को करियर के रूप में लेने का फैसला उन्होंने खुद की इच्छा से लिया और इस पर कोई बाहरी दबाव नहीं था।
फिल्म 'नादानियां' के प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी पहली फिल्म वैसी नहीं निकली जैसी वह चाहते थे। उन्होंने कहा, मैं इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा हूं और अपने प्रदर्शन को लेकर ईमानदार हूं। मैं अपनी गलतियों को सुधारने और आगे बेहतर करने की पूरी कोशिश कर रहा हूं।

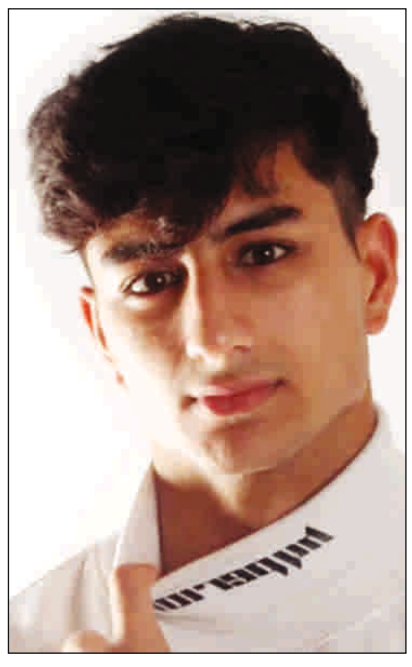

शनाया ने पूरी की जेसी की शूटिंग

सोनम कपूर, जान्हवी और खुशी के बाद कपूर परिवार की एक और लाडली फिल्मी दुनिया में आने वाली हैं। बात हो रही है एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की, जो आंखों की गुस्ताखियां फिल्म से डेब्यू कर रही हैं मगर, उन्होंने एक और फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसका नाम है जेसी। इस फिल्म का निर्देशन सुजात सौदागर कर रहे हैं टीम ने फिल्म की शूटिंग का जश्न केक काटकर मनाया, शनाया ने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर किए हैं। शनाया ने केक की जो तस्वीर शेयर की है, उस पर लिखा है डायना कहा जा रहा है कि यह शनाया के किरदार का नाम हो सकता है एक तस्वीर में वे सुजात से गले लगती नजर आई हैं, उन्होंने कैप्शन लिखा है, शुक्रिया, बहुत धन्य महसूस हो रहा है, बेहद खुश हूं। सुजात ने भी अपनी स्टोरी पर फोटो लगाकर लिखा है, आपको मिस करेंगे, खूब आगे बढ़ो।

हैदराबाद (एजन्सी),भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं वरिष्ठ नेता तेलंगाना मीर फिरासत अली बाकरी ने पार्टी सहयोगी एवं श्री योगी आदित्यनाथ सरकार से मुलाकात की और राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी को यूपी राज्य हज समिति के अध्यक्ष के रूप में मनोनीत होने पर बधाई दी।

सेना के सम्मान में बीजेपी की तिरंगा यात्रा : जयपुर में सीएम बोले-पहलगाम के बाद जो ज्वार था, उसे सैनिकों ने शांत किया

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेना के सम्मान और मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और वरिष्ठ नेता अरुण चतुर्वेदी समेत हजारों कार्यकर्ता और नागरिक शामिल हुए। यात्रा का आयोजन जयपुर के अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक किया गया, जहां इसका समापन हुआ।

सीएम का बयान – बदले हुए समय में भारत ने दिखाई सख्ती

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मौके पर जनता को संबोधित करते हुए कहा,÷पहलगाम हमले के बाद देशवासियों के मन में जो ज्वार था, उसे हमारे सैनिकों ने पाकिस्तान में बने आतंकी अड्डों पर हमला कर शांत किया। यह बदला हुआ भारत है। जो लोग ऑपरेशन सिंदूर के नायक हैं, उन्हें मैं सलाम करता हूं और प्रधानमंत्री मोदी एवं उनकी कैबिनेट का भी आभार प्रकट करता हूं।÷

÷यह राजनीतिक आयोजन है÷ - देशभक्ति का अरुण चतुर्वेदी

नहीं,भाजपा नेता अरुण चतुर्वेदी ने कहा, भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों की कमर तोड़ने का कार्य किया गया है। यह तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का आयोजन नहीं है, बल्कि यह देश, समाज और हमारी सेना को समर्पित है।

उन्होंने बताया कि यह यात्रा संभाग स्तर, फिर जिला स्तर और आगे विधानसभा क्षेत्रों तक ले जाई जाएगी, ताकि आमजन की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

तिरंगे के साथ सेना को सलाम – रामलाल शर्मा

तिरंगा यात्रा के जयपुर संभाग समन्वयक और पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा,÷यह यात्रा भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और शौर्य को सलाम है। यह अवसर है जवानों के प्रति आभार प्रकट करने का, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने जीवन को समर्पित किया है।÷

मुख्य मार्ग और सहभागिता

यात्रा मार्ग – अल्बर्ट हॉल न्यू गेट बापू बाजार सांगानेरी गेट बड़ी चौपड़

समापन स्थल – बड़ी चौपड़

उपस्थित प्रमुख नेता – भजनलाल शर्मा, दीया कुमारी, मदन राठौड़, अरुण चतुर्वेदी, रामलाल शर्मा

जन सहभागिता – हज़ारों कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक व्यापारी और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया।

ऑपरेशन सिंदूर और राष्ट्रव्यापी प्रतिक्रिया

ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर किया गया एक सटीक और निर्णायक हमला था, जिसे पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अंजाम दिया गया। इस कार्रवाई को लेकर पूरे देश में उत्साह और संतोष की लहर है। भाजपा की यह तिरंगा यात्रा उसी राष्ट्रीय भावना का प्रत्यक्ष प्रदर्शन है।

5 मेडिकल शिक्षकों को दिया अतिरिक्त प्राचार्य का चार्ज, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में डॉ. मनीष अग्रवाल को लगाया

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर राज्य के चार मेडिकल कॉलेजों में पांच अतिरिक्त प्राचार्यों की नियुक्ति की है। जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में डॉ. लीनेश्वर हर्षवर्धन की जगह डॉ. मनीष अग्रवाल को अतिरिक्त प्राचार्य बनाया है। आदेशों के मुताबिक अजमेर मेडिकल कॉलेज में सीनियर प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार माथुर को, मेडिकल कॉलेज बीकानेर में सीनियर प्रोफेसर डॉ. नीति शर्मा को, मेडिकल कॉलेज जोधपुर में सीनियर प्रोफेसर डॉ. अनुराग सिंह और सीनियर प्रोफेसर डॉ. फतेह सिंह भाटी को अतिरिक्त प्राचार्य के पद पर लगाया है। वहीं इन आदेशों के बाद डॉ. मनीष अग्रवाल के अतिरिक्त प्राचार्य बनने से अब उनके एसएमएस हॉस्पिटल में अधीक्षक बनने के रास्ते बंद हो गए। पिछले दिनों जब डॉ. सुशील भाटी ने वीआरएस के लिए पत्र सरकार को भिजवाया था, तब चर्चा थी कि डॉ. मनीष अग्रवाल को अधीक्षक पद पर नियुक्त किया जा सकता है लेकिन अब सरकार ने उनको अतिरिक्त प्राचार्य की जिम्मेदारी सौंप दी है।

बेटी के जन्म पर लगेंगे 11 पौधे, सोहेला में अभियान शुरू

टोंक। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजना %सृजन की सुरक्षा% के तहत ग्राम पंचायत सोहेला को चुना गया है। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, बालिकाओं को प्रोत्साहित करना, उनके खिलाफ अपराधों में कमी लाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। योजना के तहत हर बेटी के जन्म पर 11 पौधे लगाए जाएंगे। सोहेला पंचायत में इस योजना की तैयारी और क्रियान्वयन की स्थिति का निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर ही तहसीलदार, वन विभाग के रेंजर, ग्राम सरपंच और महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर के साथ बैठक हुई। बैठक में योजना को सफल बनाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए। सभी विभागों के समन्वय से इसे जमीन पर उतारने पर जोर दिया गया। %सृजन की सुरक्षा% योजना समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह एक मजबूत कदम है। हर बेटी के जन्म के साथ 11 पौधे लगाकर एक हरित और संतुलित भविष्य की नींव रखी जा रही है। जयपुर स्थित राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की यह पहल आमजन को बेटियों के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देती है।

मेंटल हेल्थ अवेयरनेस के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग शुरू, युवा नीति पर भी किया मंथन

जयपुर। राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। डॉ. पवन ने कहा कि बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ रहें, इसके लिए यूनिसेफ के सहयोग से युवा बोर्ड द्वारा स्टेट लेवल ऑनलाइन ट्रेनिंग ऑन मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम तीन चरण में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता माह मई के प्रत्येक शनिवार 17, 24 व 31 मई को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। डॉ. पवन ने कहा कि इसमें काउंसलर्स व एक्सपर्ट्स के माध्यम से लगभग दस हजार बच्चों से संवाद कर उन्हें जागरूक किया जाएगा। साथ ही इस दौरान उन्हें मानसिक तनाव को दूर करने सहित विभिन्न विषयों पर उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

युवा नीति के क्रियान्वयन पर बैठक– बुधवार को राजस्थान युवा नीति-2025 के सफल क्रियान्वयन के लिए यूएनएफपीए के सहयोग से अंतर-विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विषयों- राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, हरित विकास में युवाओं की भूमिका, शिक्षा और कौशल उद्यमिता और रोजगार, स्वस्थ युवा, सामाजिक न्याय और जेंडर समानता पर मंथन किया गया। बैठक में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी, युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चंद पहाड़िया तथा विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

पुरोहितजी के कटले से व्यापारी तीन दिन में हटाएं अतिक्रमण : यादव

जयपुर। नगर निगम जयपुर हेरिटेज महापौर कुसुम यादव ने कहा कि बड़ी चौपड़ पुरोहितजी के कटले में जगह-जगह व्यापारियों ने अतिक्रमण कर रखा है, जिससे यहां आने वाले लोगों का परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुरोहितजी कटले का बुधवार को निरीक्षण के दौरान महापौर कुसुम यादव अस्थाई अतिक्रमण को देख नाराज हो गई। उन्होंने व्यापारी और निगम अधिकारियों से तीन दिन में अतिक्रमण हटाकर रास्ते को क्लियर करें। महापौर यादव ने कहा कि पुरोहितजी का कटला जयपुर में होलसेल का प्रमुख मार्केट है, जहां पर कपड़े का व्यवसाय होता है। ऐसे में वहां के व्यापारियों सहित आम नागरिक की सुरक्षा के तहत वहां पर आपात स्थिति में किस प्रकार फायर सिस्टम को सुचारु किया जाए जिससे संभावित दुर्घटनाओ से बचा जा सके। उन्होने कहा कि इस समय भीषण गर्मी का दौर चल रहा है, ऐसे में आगजनी की घटनाएं हो सकती है। पुरोहितजी का कटला शहर के बीच में स्थित है। यहां तंग और संकरी गलियां है। ऐसे में कोई भी अप्रिय घटना होने पर आपदा प्रबंधन या बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है। दमकल या अन्य वाहन अंदर जा नहीं सकते है। उन्होंने व्यापारियों को कहा कि तीन दिन में अतिक्रमण नहीं हटने पर निगम हेरिटेज अपने स्तर पर अतिक्रमणों को हटाएगा।

निगम अधिकारी जल्द करें डेमो

निरीक्षण के दौरान महापौर यादव ने पुरोहितजी के कटले में बने अग्निशमन सिस्टम का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फायर शाखा के अधिकारियों को डेमो कर व्यवस्थाएं चेक करने के निर्देश दिए और कमी पाएं जाने पर जल्द दुरुस्त करनेके भी निर्देश दिए।

सफाई व्यवस्था चौपट, मंडराया बीमारियों का खतरा

उन्हैल। छोटी सुनेल ग्राम पंचायत उन्हैल गांव में लंबे समय से नालियों की साफ सफाई नहीं होने से ग्राम वासियों को निकलने और रहने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभी तक भी जिम्मेदारों का साफ सफाई पर कोई ध्यान नहीं है, जबकि करीब 2 महीने से नालियां भरी पड़ी थी और अब कचरा और कीचड़ रोड पर फैल रहा है, जिससे सारी नाली का पानी कीचड़ के साथ रोड पर निकल रहा है। बाइक सवार फिसल रहे हैं और बच्चे आते-जाते गिर रहे है। हाल में स्थिति यह है कि सड़क से गुजरने के लिए कीचड़ को रोंदकर ही गुजरना पड़ रहा है, अभी भी अगर सफाई नहीं की गई तो कांजी से बड़ा हादसा होने की संभावना हो सकती है । कई बार इस सड़क पर से भारी वाहन निकलते है तो स्थिति और बिगड़ जाती है । वहीं सड़क पर कीचड़ व पानी भरा रहने से नालियों की सफाई नहीं होने से मच्छरों की समस्या भी होने लगी है। अगर सही समय पर सफाई व्यवस्था दूरूस्त नहीं हुई तो मौसमी बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जाए।

नालियों की सफाई नहीं होने से सड़क पर गंदगी फैल रही है जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

-सुरेन्द्र, ग्रामीण

सड़क पर फैले कीचड़ से राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है, ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द समस्या का समाधान होना चाहिए।

-जगदीश, ग्रामीण

कीचड़ व गंदगी के ढेर से मच्छर व अन्य दूषित कीड़े पैदा हो रहे है जिससे मौसमी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है।

-कालूलाल, ग्रामीण

जहां भी नालियों की सफाई नहीं हुई है वहां पर सफाई करवा दी जाएगी तथा कचरों व गंदगी के ढेरों को हटा दिया जाएगा।

विस्फोटकों की साजिश या आतंकी कड़ी? जोधपुर में 3,500 किलो से ज्यादा विस्फोटक बरामद

जोधपुर। राजस्थान इन दिनों विस्फोटक बरामदगी की घटनाओं से थर्राया हुआ है। जयपुर के बस्सी इलाके में 2000 किलो से अधिक विस्फोटक मिलने के महज तीन दिन बाद अब ब्लू सिटी जोधपुर से और भी बड़ी खबर आई है। जोधपुर पुलिस ने एक गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर करीब 3,500 किलो विस्फोटक सामग्री बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी यासीन अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। यह बरामदगी महज एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि एक बड़ी साजिश की आहट मानी जा रही है। ऐसे समय में जब भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य और कूटनीतिक तनाव चरम पर है, इस तरह के घटनाक्रम राज्य और देश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

कैसे हुआ खुलासा?

सूत्रों के मुताबिक, जोधपुर के उदयमंदिर थाना क्षेत्र में पुलिस को बीती रात एक गुप्त सूचना मिली कि इलाके के एक गोदाम में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जमा की गई है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोदाम की तलाशी ली गई। छापे के दौरान जो सामने आया, वह किसी को भी चौंका देने के लिए काफी था।

बरामद विस्फोटक सामग्री में शामिल थे, जिनमें 70 बोरे अमोनियम नाइट्रेट, करीब 760 किलो पटाखे, अन्य विस्फोटक रसायन और सामग्रियां थीं। प्रथम दृष्टया यह साफ है कि इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक किसी औद्योगिक या वैध उपयोग के लिए नहीं रखे गए थे, क्योंकि इसके लिए न कोई वैध अनुमति थी और न ही सुरक्षा इंतज़ाम।

कौन है यासीन अंसारी? क्या है उसका मकसद?

गिरफ्तार आरोपी यासीन अंसारी की पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में वह विस्फोटक के उपयोग के बारे में गोलमोल जवाब दे रहा है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यासीन किसी आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा हुआ है?

क्या वह इन विस्फोटकों का उपयोग चुनाव, त्योहार या किसी बड़े आयोजन के दौरान करना चाहता था? या फिर यह कोई अंतरराज्यीय विस्फोटक तस्करी का मामला है?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यासीन अंसारी पहले भी पटाखों से जुड़े कारोबार में सक्रिय था, लेकिन इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक रखना पूरी तरह गैरकानूनी है। जोधपुर की यह बरामदगी इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि महज तीन दिन पहले जयपुर के बस्सी इलाके में भी करीब 2000 किलो विस्फोटक जब्त किया गया था। उस मामले में आरोपी मौके से फरार हो गया था। जयपुर पुलिस इस मामले की जांच स्पेशल एजेंसी के हवाले कर चुकी है। जोधपुर पुलिस कमिश्नर राजेन्द्र सिंह ने इस बरामदगी को बड़ी सफलता बताया है और संकेत दिए हैं कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे एटीएस (Anti Terrorist Squad) और राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा को सौंपा जा सकता है।

डेकोरेटिव लाइटें हुई चोरी, खम्भे बने ठूंठ : जनता के धन की बर्बादी, चोरों की पौ बारह

कोटा । शिक्षा नगरी से स्मार्ट सिटी और पर्यटन नगरी के रूप में विकसित हो रहे कोटा शहर में जहां विकास व सौन्दर्यीकरण के माध्यम से चमकाने का प्रयास किया गया। वहीं उस विकास व सौन्दर्य को चोर व नशेड़ी ग्रहण लगा रहे हैं। लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर शहर में रोशनी के लिए लगाई गई डेकोरेटिव लाइटें चोरी होने से खम्भे ठूंठ बनकर रह गए हैं। पिछली कांग्रेस सरकार के समय में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट व तत्कालीन नगर विकास न्यास के माध्यम से शहर में विकास व सौन्दर्यीकरण के कार्य करवाए गए थे। करीब 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों के तहत शहर को रोशन करने के लिए चौराहों व मुख्य मार्गों पर आकर्षक डेकोरेटिव लाइटें लगाई गई थी। शहर के अधिकतर क्षेत्रों में डिवाइडरों के बीच हो या सड़क किनारे पर सभी जगह लगी ये लाइटें रात के समय रोशनी देने के साथ ही अपनी अलग ही आभा भी बिखेरती है। फिर चाहे वह नयापुरा स्थित विवकानंद सर्किल हो या जेडीबी कॉलेज से अंटाघर होते हुए स्टेशन रोड। छावनी व कोटड़ी चौराहा हो या नए कोटा शहर के मुख्य मार्ग। सभी जगह पर आकर्षक के साथ ही महंगी डेकोरेटिव लाइटें लगाई गई थी।

धीरे-धीरे गायब होने लगी लाइटें

शहर में मेन रोड व चौराहों पर लगी ये लाइटें कुछ समय तक तो सही रही। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे ये गायब होने लगी। शुरुआत में इनके गायब होने की संख्या कम थी। लेकिन बाद में ये बढ़ती गई। हालत यह है कि अधिकतर लाइटें चोरी हो चुकी है। कई जगह पर तो चोरी हुई लाइटों की जगह पर नई लगा दी गई है। जबकि अभी भी आकाशवाणी से लेकर बड़ तिराहे तक और कई अन्य जगहों पर इन लाइटों की जगह पर सिर्फ खम्भे ही रह गए हैं। जबकि लाइटें नजर ही नहीं आ रही है। जिस तरह से पेड़ के पत्ते व तने कटने पर वहां ठूंठ रह जाता है उसी तरह की हालत इन लाइटों की हो रही है।

नीचे होने से चोरी करना आसान

शहर में वैसे तो कई जगह पर इन लाइटों को काफी ऊंचाई पर लगाया हुआ है। जिससे आसानी से उन्हें चोरी करना मुश्किल है। ऐसी जगह पर ही ये लाइटें सुरक्षित हैं। जबकि कई जगह ऐसी हैं जहां सड़क किनारे इन लाइटों को बहुत कम ऊंचाई पर लगाया गया है। नयापुरा क्षेत्र हो या चम्बल रिवर फ्रंट का क्षेत्र। यहां लाइटें काफी नीची रखी गई है। इसका कारण रोशनी के साथ ही इनकी सुंदरता को भी बताना था। लेकिन उसका फायदा लोगों को तो कम मिला। चोरों व नशेड़ियों को उसका अधिक लाभ हुआ। जनता के धन की बर्बादी और चोरों की पौबारह हो रही है। नशेड़ी व चोर जरा से लालच के लिए इन महंगी लाइटों को चोरी कर कबाडी को या अन्य स्थानों पर बेचकर शहर की सुंदरता बिगाड़ने के साथ ही शहर को अंधेरे में डुबोने का काम कर रहे हैं।

सीसीटीवी कैमरों में कैद चोरी की घटनाएं

शहर में आए दिन हो रही चोरी की घटनाएं आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो रही है। डेकोरेटिव लाइटों को दिन दहाड़े व शाम के समय किस तरह सफाई से चोरी किया जा रहा है। वह भी सीसीटीवी कैमरों में स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। चम्बल रिवर फ्रंट के पास लाइटों के साथ ही बिजली की केबल चोरी तक की घटनाओं को अंजाम देते हुए कई बार लोगों को पकड़ा भी गया है। लेकिन चोरी की घटनाओं पर रोक नहीं लगी। हालांकि कई घटनाओं को तो नाबालिगों के माध्यम से अंजाम दिया जा रहा है।

चोरों का कोई इलाज नहीं, सही करवा रहे

शहर को सुंदर बनाने के साथ ही रोशन करने के लिए केडीए की ओर से मेन रोड व चौराहों पर डेकोरेटिव लाइटें लगवाई गई हैं। लेकिन कई जगह पर लाइटों के चोरी होने की शिकायतें मिली थी। उन जगहों पर संवेदक के माध्यम से नई लाइटें लगवा दी है। चोरों का कोई इलाज भी नहीं है। कई बार लाइटों व अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज करवा दी गई है लेकिन कुछ नहीं हुआ। सभी जगह पर सुरक्षा कर पाना भी मुश्किल है। फिर भी यदि कहीं और ऐसी जगह हैं जहां लाइटें नहीं है। वहां संवेदक से कहकर नई लाइटें लगवा दी जाएंगी।

- पवन शर्मा, एक्सईएन(विद्युत) कोटा विकास प्राधिकरण

रेलवे परियोजनाओं को हर गांव तक पहुंचाया जाएगा- मंत्री वी. सोमन्ना

कोप्पल,
(एजन्सी),

रेलवे परियोजनाओं को हर गांव तक पहुंचाया जाएगा। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि इसके लिए प्रधानमंत्री ने देश में 7 लाख करोड़ रुपये की पुरानी रेलवे परियोजनाओं को हाथ में लिया है।

उन्होंने गुरुवार को कुष्टगी रेलवे स्टेशन पर दक्षिण पश्चिम रेलवे डिवीजन के गदग (तलकल्ल) और कुष्टगी के बीच नई रेलवे लाइन का उद्घाटन किया और ट्रेन सं. 17323 कुष्टगी-एस.एस.एस. हुबली पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद यह बात कही। कई दिनों के बाद, गदग-वाडी रेल लाइन परियोजना के क्रियान्वयन से इस क्षेत्र के लोगों का सपना अब साकार हो रहा है। पिछले दस वर्षों में रेलवे विभाग 5 लाख लोगों के लिए नौकरी की पेशकश की गई है। अगले डेढ़ महीने में देश में वंदे भारत 50 एसी स्लीपर कोच ट्रेनें शुरू हो जाएंगी। वर्ष 2025-26 में गदग-वाडी रेल परियोजना के लिए 549.45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। गदग और वाडी के बीच कुल 27 रेलवे स्टेशन हैं। आज कुष्टगी-हुब्बल्ली पैसेंजर ट्रेन का शुभारंभ किया गया, जिससे इस क्षेत्र के लोगों को लाभ होगा।यह ट्रेन प्रतिदिन सुबह 7 बजे कुष्टगी से रवाना होगी और सुबह 10.40 बजे हुबली पहुंचेगी। हुबली से भी शाम 5 बजे रवाना होगी और रात 8.30 बजे कुष्टगी पहुंचेगी। टिकट की कीमत 70 रुपए है। कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग तथा कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज एस. तंगडगी ने कहा कि इस क्षेत्र से बेंगलुरू तक रेल सेवा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। वे दारोजी-बागलकोट सर्वेक्षण भी करने की बात कही। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक दोड्डनगौड़ा हनुमगौड़ा पाटिल ने कहा कि गदग-वाडी रेलवे लाइन हमारे क्षेत्र के विकास के लिए बहुत फायदेमंद होगी। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार और येलबुर्गा के विधायक बसवराज रायरेड्डी ने कहा कि उन्होंने कोप्पल से हैदराबाद तक मुनिराबाद-महेबूबनगर रेलवे लाइन और गदग-वाडी रेलवे लाइन से जोड़ने का प्रयास किया था। इस मार्ग का विद्युतीकरण भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि गदग-वाडी रेलवे लाइन पूरी हो जाती है तो इससे इस क्षेत्र के लोगों की यात्रा और व्यावसायिक गतिविधियों में काफी सुविधा होगी। समारोह में विधान परिषद सदस्य हेमलता नायक, कुष्टगी नगर पालिका अध्यक्ष महांतेश, जिला कलेक्टर नलिन अतुल, दक्षिण पश्चिम रेलवे हुबली मंडल प्रबंधक बेला मीना, निर्माण विभाग सीएओ अजय शर्मा और कई अन्य नेता उपस्थित थे।

मानु ने तुर्की के साथ समझौता ज्ञापन रद्द करने की घोषणा की

हैदराबाद
(एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय ने तुर्की के यूनुस एमरे संस्थान के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की है। यह निर्णय भारत-पाक तनाव की पृष्ठभूमि में पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों के लिए तुर्की के समर्थन के विरोध में लिया गया है।

गौरतलब है कि 2 जनवरी 2024 को मानु ने तुर्की के यूनुस एमरे संस्थान के साथ पांच साल की अवधि के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत मानु के भाषा, भाषा विज्ञान और इंडोलॉजी स्कूल में तुर्की भाषा में डिप्लोमा शुरू किया गया था। इसके लिए एक विजिटिंग प्रोफेसर की सेवाएं ली गई थीं। यह भी उल्लेखनीय है कि तुर्की से विजिटिंग प्रोफेसर पहले ही अपने देश लौट चुके हैं।

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद मानसरोवर शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज सिकंदराबाद मानसरोवर शाखा वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव पैराडाइस स्थित होटल चिलीज में सम्पन्न हुई।जारी प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के मानद मंत्री राहुल गोयल ने बताया कि सर्व प्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात शाखा के अध्यक्ष नीरज मोर ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। शाखा के मानद मंत्री राहुल गोयल ने पिछले 2 साल के कार्य पर प्रकाश डाला और सभी को उससे अवगत कराया, शाखा के कोषाध्यक्ष मनीष ड्रोलिया ने पिछले वर्ष के आए और वे की जानकारी दी। शाखा द्वारा चुने गए चुनाव अधिकारी अविरल बंसल एवं अरविंद सराफ द्वारा शाखा के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न कराई गई और यह परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष राहुल गोयल, उपाध्यक्ष मनीष ड्रोलिया, मानद मंत्री मुकेश अग्रवाल, संयुक्त मंत्री निर्मल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश सराफ, केंद्रीय समिति सदस्य रोहित जैन, कार्यकारिणी सदस्य: अविरल बंसल, हितेश गुप्ता, सौरव अग्रवाल, पंकज मोर, अरविंद सराफ, गौतम सराफ, नितिन सुरेखा, प्रीतिका अग्रवाल, सूची गुप्ता महिला समिति: शीनू बंसल, वर्ष जैन, अनीता नथानी, निशा गुप्ता युवा सदस्य: दक्ष परामर्शदाता: सत प्रकाश बंसल, सुरेन्द्र केडिया को शामिल किया गया। शाखा के अध्यक्ष नीरज मोर ने चुनाव अधिकारी का आभार व्यक्त किया साथ ही सभी सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया।

भारत पाकिस्तान में हुआ तनाव और बर्बाद हो गई यह चाइनीज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अपने रक्षा उपकरणों का अधिकांश हिस्सा चीन से आयात करता है। 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के 82 प्रतिशत रक्षा आयात चीन से हुए, जो 2009-2012 के बीच के 51 प्रतिशत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद पाकिस्तान युद्ध पर अमादा हो गया और बिना किसी आधिकारिक एलान के वह युद्ध के मैदान में उतर गया, हालांकि भारत की लड़ाई आज भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंक के खिलाफ है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जिसमें

आतंकियों के करीब 9 ठिकानों को मिट्टी में मिलाया गया।

संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल से लेकर ड्रोन तक से हमले किए, लेकिन भारतीय डिफेंस सिस्टम ने हमले को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। इस संघर्ष के बीच एक बड़ी चीज देखने को मिली और वो यह है कि संघर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ लेकिन कंपनियां चीन की बर्बाद हो रही हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि इसके पीछे क्या राज है?

युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में जहां शानदार हरियाणी देखने को मिली, वहीं चाइनीज स्टॉक मार्केट में तबाही नजर आई, खासतौर पर चाइनीज डिफेंस स्टॉक में। चीन के प्रमुख डिफेंस स्टॉक में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। दरअसल यह पूरा मामला भारत के डिफेंस सिस्टम से जुड़ा हुआ है। चीन की जे-10सी लड़ाकू विमान निर्माता कंपनी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जो करीब 9त्न लुढ़क गए। वहीं, सैन्य और नागरिक जहाज बनाने वाली चाइना शिपबिल्डर कॉरपोरेशन के शेयरों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। इलेक्ट्रॉनिक डिफेंस उपकरण बनाने वाली Zhuzhou Hongda Electronics Corp Ltd के शेयर भी 6 प्रतिशत से अधिक टूट गए। बता दें कि यह कंपनी मिलिट्री ड्रोन भी बनाती है और इसके ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किया जिसे भारत ने नाकाम कर दिया।Zhuzhou मिसाइलें भी बनाती है और पाकिस्तान ने इसी के बनाए पीएल-15 मिसाइलें दागी जिसे भारत ने आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अपने रक्षा उपकरणों का अधिकांश हिस्सा चीन से आयात करता है। 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के 82 प्रतिशत रक्षा आयात चीन से हुए, जो 2009-2012 के बीच के 51प्रतिशत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

खेलों से बच्चों में अनुशासन, शारीरिक मजबूती और मानसिक प्रसन्नता आती है – सीपी गौस आलम

करीमनगर
(एजन्सी),

नगर निगम की ओर से जिला खेल विभाग के सहयोग से गुरुवार को निःशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण कक्षाओं का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम आयुक्त चहात बाजपई ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में करीमनगर पुलिस कमिश्नर गौस आलम और नगर निगम के पूर्व मेयर यादगिरी सुनील राव उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण में 17 प्रकार के खेलों में छात्रों को 10 जून तक प्रशिक्षित किया जाएगा। कुल 1746 छात्र-छात्राओं ने इन प्रशिक्षण कक्षाओं के लिए आवेदन किया है। हर दिन ढाई घंटे तक कोचेस द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा, साथ ही छात्रों को केला, अंडा और दूध जैसे पौष्टिक आहार भी प्रदान किए जाएंगे।उद्घाटन

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, योग और कराटे का प्रदर्शन दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। पिछले आठ वर्षों से करीमनगर नगर निगम हर गर्मी में विशेष पहल करते हुए खेल प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन करता आ रहा है। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त गौस आलम ने कहा कि यह गर्व की बात है कि नगर निगम हर साल बच्चों के लिए निःशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।

उन्होंने नगर निगम आयुक्त चहात बाजपई को इस विशेष पहल के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने छात्रों से इन छुट्टियों का सदुपयोग करते हुए खेलों में प्रशिक्षण लेकर किसी एक खेल में प्रावीणता प्राप्त करने और जिले से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक और मानसिक विकास ही नहीं, बल्कि अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखते हैं।

उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को मोबाइल और टीवी की लत से बचाकर टीम गेम्स की ओर प्रोत्साहित करें। खेलों के माध्यम से भविष्य में आईएएस, आईपीएस जैसी सेवाओं में भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है।नगर निगम आयुक्त चहात बाजपई ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी निःशुल्क ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शुरू किया गया है। 17 खेलों में प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण और प्रतिदिन पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जिले से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हों, यही उनका उद्देश्य है। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत अम्बेडकर स्टेडियम में विभिन्न खेलों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं।पूर्व मेयर यादगिरी सुनील राव ने कहा कि पिछले आठ वर्षों से नगर निगम इन प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन कर रहा है। उन्होंने बताया कि 2017 में पहली बार नगर निगम द्वारा यह कार्यक्रम शुरू किया गया था। उन्होंने उम्मीद जताई कि छात्र खेलों में दक्षता हासिल कर जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे।उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में स्मार्ट सिटी के तहत अंबेडकर स्टेडियम के विकास के लिए 22 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। वॉकिंग ट्रैक, लाइटिंग सिस्टम और विभिन्न खेल मैदानों का निर्माण किया गया। उन्होंने छात्रों से खेलों में प्रावीणता हासिल कर आगे बढ़ने की अपील की और अभिभावकों से बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित करने का अनुरोध किया। अवसर पर जिला खेल अधिकारी श्रीनिवास, असिस्टेंट कमिश्नर वेणु माधव, ईई संजीव कुमार, ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव गासिरेड्डी जनार्दन रेड्डी, उपाध्यक्ष रमेश रेड्डी, योग अधिकारी सिद्धारेड्डी, एसजीएफ सचिव बी. वेणुगोपाल, पीईटीए अध्यक्ष बाबू श्रीनिवास, अडेपु श्रीनिवास, चेस एसोसिएशन अध्यक्ष अंजैया, खेल अधिकारी सत्तिनेनी श्रीनिवास, कोचेस, छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

गीत चाँदनी का बुद्ध पूर्णिमा विश्व शांति एवं राष्ट्रीय एकता पर कवि सम्मेलन

हैदराबाद
(एजन्सी),

नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में 44वें वर्ष के 9वें मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन श्री संजीव आंजनेय स्वामी मंदिर के पवित्र प्रांगण नेकलस रोड, डॉ. भीमराव अम्बेडकर की विशाल मूर्ति के सम्मुख विश्व-शांति कवि सम्मेलन के रूप में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अवकाश प्राप्त संस्कृत विभागाध्यक्षा व प्रोफ़ेसर, सरकारी महिला महाविद्यालय, बेगमपेट, हैदराबाद ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर अपना धारा प्रवाह व्याख्यान प्रस्तुत किया। गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और संस्था की गतिविधियों एवं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नगरद्वय के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होने वाले कवि सम्मेलनों के बारे में प्रकाश डाला। कवि सम्मेलन के आरंभ में भगवान श्री संजीव आंजनेय स्वामी जी की पूजा और आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ और मंदिर में विश्व-शांति तथा देश की एकता व सुख-शांति के लिए प्रार्थना की गयी। कवि संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य' ने अपनी मौलिक माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में

जयपुर (राजस्थान) की धरती से पधारे देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार अशोक आत्रेय, उर्दू पत्रकार मोहसीन ख़ान, शायर अंजनी कुमार गोयल, विभा भारती, श्रुतिकांत भारती, प्रणव कुमार सिंह मंच पर उपस्थित थे। मंदिर के पंडित गुण्डय्या स्वामी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के निर्माण में स्वर्गीय नामदेव का बड़ा योगदान रहा है। 3 वर्ष और 6 वर्ष की आयु से विश्वेश्वर राव और बी. मुरली जी मंदिर के विकास और उत्थान में तन, मन और धन से अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करते आ रहे हैं।

उर्दू पत्रकार मोहसीन ख़ान ने इस अवसर पर कवियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय एकता और विश्व शांति को केंद्र में रखकर पढ़ी गयी कविताओं की ख़ूब प्रशंसा की और कवियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों द्वारा बुद्ध की शिक्षाओं, राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, विश्व बंधुत्व, विश्व-शांति, देश की समसामयिक परिस्थितियों, आतंकवाद जैसी ज्वलंत समस्याओं पर अपने मार्मिक गीत, ग़ज़लें, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं के साथ-साथ भक्ति प्रदान कविताओं का पाठ कर एक समाँ-सा बाँध दिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री गोविंद मिश्रा, अशोक आत्रेय जयपुर (राजस्थान), आर. दुर्गाराज पटून, संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य', संत कुमार मंडल 'जागृति', राजकुमार यादव, आरती कुमारी, श्रीपूनम जोधपुरी, चंपालाल बैद, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, अनिल कुमार गुप्ता, जी. परमेश्वर, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव आदि के नाम सम्मिलित हैं। मुख्य वक्ता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि गौतम बद्ध भारतीय दार्शनिक, सुधारक, बौद्ध धर्म के संस्थापक एवं प्रवर्तक थे, जिनकी शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन हुआ। गौतम बुद्ध ने विश्व में शांति का संदेश दिया है। विशेष अतिथि अशोक आत्रेय, जी. परमेश्वर, विभा भारती ने अपने वक्तव्यों में कहा कि गौतम बुद्ध ने विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अपने दूत जिनमें उनका निजी पुत्र और पुत्री दोनों सम्मिलित थे, को संसार के अनेक देशों में भेजा। उसके कारण विश्व के अनेक देशों में भारतीय संस्कृति और विश्व-शांति की स्थापना हुई। आज जब विश्व तृतीय महायुद्ध की आशंकाओं से घिरा हुआ है तब विश्व-शांति के लिए भगवान बुद्ध के संदेश ही शांति स्थापना के मूल मंत्र हैं। विश्व-शांति स्थापना के लिए कवियों, लोक कलाकारों एवं संगीतकारो को आगे आना चाहिए। श्रुतिकांत भारती ने गीत चाँदनी के कवि सम्मेलनों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि गीत चाँदनी के कवियों में देश प्रेम कूट कूट कर भर हुआ। कवि सम्मेलन में सभी कवियों ने देश की समस्याएँ, आतंकवाद और देशप्रेम पर कविताएँ प्रस्तुत कर रोंगटे खड़े कर दिये।

कार्यक्रम के अध्यक्ष चंपालाल बैद ने कहा कि वर्तमान स्थिति में पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध नहीं था सिर्फ़ आतंकवाद को जवाब था। आतंकवादियों पर ही कार्रवाई की गयी है। भारत शांति प्रिय देश है। संस्कारों और शिक्षाओं का भारतीयों पर प्रभाव है। हमेशा सच्चाई की जीत हुई है। कवयित्री रत्नकला मिश्र ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी कवियों, बुद्धिजीवियों और कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी श्रोताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि अंजनी कुमार गोयल की ओर से जलपान की सुंदर व्यवस्था की गयी थी।

भारत के टॉप-5 डिफेंस स्टार्टअप, दुश्मनों के लिए बन रहे हैं काल

नई दिल्ली, एजेंसी। नतीजा यह है कि भारत में रक्षा तकनीक स्टार्टअप्स स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक तकनीकें विकसित कर रहे हैं, जिनमें एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी, और एडवांस्ड सर्विलांस शामिल हैं। आइए देश के कुछ प्रमुख डिफेंस टेक स्टार्टअप्स के बारे में जानते हैं जो दुश्मन के लिए किसी काल से कम नहीं हैं।

भारत वर्ष 2019 से 2023 के बीच दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना रहा, जो वैश्विक रक्षा आयात का लगभग 9.8 प्रतिशत हिस्सा है। यह अत्यधिक आयात-निर्भरता देश की रणनीतिक कमजोरी मानी जाती है, लेकिन अब भारतीय स्टार्टअप्स इस अंतर को पाटने के लिए आगे आ रहे हैं तो आइए समझते हैं कि क्या रक्षा क्षेत्र में भी मेक इन इंडिया का दबदबा रहेगा?

सरकार की इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सिलेंस और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी योजनाएं रक्षा स्टार्टअप्स को अनुदान और साझेदारी के अवसर प्रदान कर रही हैं। साथ ही, स्वछ्ठ में ढील, स्थानीय कंपनियों को प्राथमिकताऔर बढ़ते रक्षा बजट ने देसी कंपनियों और विदेशी साझेदारों के बीच तालमेल को मजबूत किया है। नतीजा यह है कि भारत में रक्षा तकनीक स्टार्टअप्स स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक तकनीकें विकसित कर रहे हैं, जिनमें एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी, और एडवांस्ड सर्विलांस शामिल हैं। आइए देश के कुछ प्रमुख डिफेंस टेक स्टार्टअप्स के बारे में जानते हैं जो दुश्मन के लिए किसी काल से कम नहीं हैं।

यह स्टार्टअप मल्टी-पर्पस ड्रोन सॉल्यूशंस बनाता है, जिनका उपयोग निगरानी और बॉर्डर सिक्योरिटी में होता है। 22 मिलियन डॉलर की सीरीज फंडिंग फरवरी 2023 में मिली। यह कंपनी किसानों के लिए भी ड्रोन बनाती है। अक्तूबर 2023 में इसे अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये की ब्रिज फंडिंग हासिल की। कंपनी की योजना जल्द ही 50 देशों में विस्तार की है। पिछले साल ही कंपनी ने बॉर्डर पेट्रोल सर्विलांस ड्रोन त्रिशूल को लॉन्च किया है। त्रिशूल का इस्तेमाल प्राकृतिक आपदाओंऔर आपात स्थितियों के समय या संदिग्ध गतिविधियों के दौरान रियल-टाइम इमेजेज और वीडियो प्राप्त करने के लिए भी किया जा सकता है।

क्या हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगा पाकिस्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम भारत आएगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जंग की स्थिति बन गई। 10 मई को सीजफायर जरूर हो गया, लेकिन किसी पाकिस्तानी को भारत में एंट्री की परमिशन नहीं मिली है।

बिहार के राजगीर में एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर तक खेला जाएगा। यह अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। जिसमें एशिया की टॉप-8 टीमें हिस्सा लेंगी।

सरकार के निर्देश मानेंगे- हॉकी इंडिया हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी है। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर कुछ दिन पहले ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है।

टूर्नामेंट शुरू होने में अब भी करीब 3 महीने का समय बचा है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे।भारत और पाकिस्तान के बीच 181 हॉकी मैच खेले गए। 82 में पाकिस्तान और 67 में भारत को जीत मिली। 32 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।

सरकार ने मना किया तो पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट होगा - हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान खेलने के लिए भारत नहीं आई तो उनके बिना टूर्नामेंट कराने का फैसला पूरी तरह एशियन हॉकी फेडरेशन करेगा। वे चाहें तो 7 टीमों को टूर्नामेंट करा सकते हैं या फिर पाकिस्तान की जगह किसी और टीम को मौका भी दिया जा सकता है।

2016 में भी भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम - 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा है। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुराई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।भारत ने पिछले साल जूनियर हॉकी एशिया कप में पाकिस्तान को फाइनल हराकर ही टाइटल जीता था।

वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री दिलाता है एशिया कप नीदरलैंड के एम्सरटडैम में अगले साल 14 से 30 अगस्त तक हॉकी वर्ल्ड कप होगा। एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री मिलती है। 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं भारत और पाकिस्तान को अपने-अपने चौथे टाइटल का इंतजार है। हॉकी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भी हिस्सा लेंगी। 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के सेमीफाइनल और इसे जीतने वाली टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होना है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन, 27 अगस्त से बिहार में टूर्नामेंट

रोहित-कोहली के संन्यास से घबराने की जरूरत नहीं है : मांजरेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि विराट कोहली और संजय मांजरेकर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'कैफोर' के विदा लेने के बाद भी भारतीय क्रिकेट बीच वापसी की थी। आधुनिक क्रिकेट के दिग्गजों रोहित और विराट ने एक सप्ताह के भीतर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेगी

उप-विजेता 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा कर दी गई है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट से एक महीने से भी कम समय पहले आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2023-25 ??संस्करण के लिए एक विशाल पुरस्कार राशि की घोषणा की है।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 ??फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दो संस्करणों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। चैंपियन को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे जो 2021 और 2023 दोनों में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है जबकि उप-विजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अब 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

अंतिम टेस्ट के लिए 30 दिन की उल्टी गिनती को चिह्नित करते हुए आईसीसी ने इस मुकाबले के लिए उत्साह बढ़ाने वाला एक प्रचार वीडियो भी जारी किया जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, शीर्ष तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, प्रोटियाज स्टार एडेन मार्करम, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ और शानदार ट्रैविस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ी शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री शामिल हैं। इसी के साथ ही दोनों फाइनलिस्टों ने टीमों का भी ऐलान कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी 25 स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहा और लॉर्ड्स में फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई जिसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका पर जीत और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ रही। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत पर 3-1 की जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनके मजबूत अभियान में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू और विदेशी सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से हराना भी शामिल है।

नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया

धोनी, कपिल और बिंद्रा इसका हिस्सा

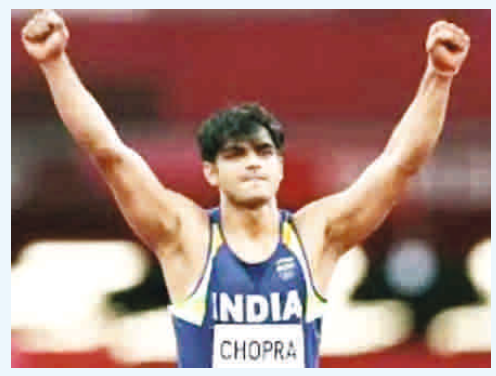

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी है। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी कमिटमेंट के लिए दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार, 14 मई को इसकी घोषणा की। बयान के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी है। नीरज चोपड़ा पहले भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे। उन्हें 2018 में सुबेदार बनाया गया था। नीरज 2016 में भारतीय सेना में नायब सूबेदार के रूप में शामिल हुए थे। नीरज चोपड़ा से पहले पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी, कपिल देव और अभिनव बिंद्रा जैसे खिलाड़ियों को टेरिटोरियल आर्मी में मानद उपाधि दी जा चुकी है।

- **नीरज आज दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे** - नीरज चोपड़ा शुक्रवार 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज ने पिछले सीजन में 88.36 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था। वे 2023 में 88.67 मीटर के स्कोर के साथ चैंपियन बने थे। नीरज के अलावा, जेवलिन थ्रोअर किशोर जेना, मिडिल डिस्टेंस स्नर गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी भी हिस्सा लेंगी।

लगातार दो ओलिंपिक मेडल जीत चुके हैं नीरज - नीरज चोपड़ा दुनिया के नंबर-2 जेवलिन थ्रोअर हैं। वे भारत की ओर से लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में मेडल जीत चुके हैं। नीरज ने पेरिस ओलिंपिक में सिल्वर और टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा, वे वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे वर्ल्ड क्लास टूर्नामेंट में भारत को गोल्ड मेडल जिता चुके हैं।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए साउदी को विशेषज्ञ सलाहकार किया नियुक्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की कि न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के खत्म होने तक इंग्लैंड का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे की शुरुआत 20 जून से लीड्स में पहले टेस्ट के साथ करेगी। यह दौरा 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के साथ खत्म होगा। दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले साउदी इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय सत्र के शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे जो अगले बृहस्तिवार से ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट होगा। 36 वर्षीय साउदी ने 107 टेस्ट मैच में 391 विकेट, 161 वनडे मैच में 221 विकेट और 126 टी20 मैच में 164 विकेट हासिल किए हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'दुनिया भर में विभिन्न परिस्थितियों और सभी प्रारूपों में खेलने के अपने विशाल अनुभव के साथ वह खिलाड़ियों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे। सलाहकार की भूमिका के बाद वह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए 'द हंड्रेड' में खेलना शुरू करेंगे।

गुजरात में शामिल हो सकते हैं कुसल मेंडिस

इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेंगे, दिल्ली ने बांग्लादेशी पेसर रहमान को साइन किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के एग्रीमेंट मुश्किल में पड़ता दिखाई दे रहा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस गुजरात एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश क्रिकेट टाइटंस (जीटी) में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेंडिस के इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेने की संभावना है। हालांकि गुजरात की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के कारण आईपीएल के प्लेऑफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। इससे पहले, बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल किया है। वे ओपनर जैक फ्रेजर मैगर्क की जगह लेंगे। मैगर्क मौजूदा सीजन के बाकी मैचों के लिए भारत नहीं आएंगे। फ्रेंचाइजी ने रहमान से 6 करोड़ रुपए में एग्रीमेंट किया है, लेकिन यह मिला है। आमतौर पर आईपीएल किसी भी प्लेयर से एग्रीमेंट का ऐलान तभी करता है, जब जब खिलाड़ी को उसके घरेलू बोर्ड से एनओसी मिल जाती है।

आईपीएल के बचे मैच का शेड्यूल और बांग्लादेश के अगले दौरे का शेड्यूल क्लैश हो रहा है। बीसीबी के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा- अभी तक बीसीबी से प्लेयर और बीसीसीआई ने इस एग्रीमेंट के लिए एनओसी नहीं मांगा गया है। उन्होंने क्रिकइंफो से मुस्तफिजुर को टीम के साथ यूएई जाना है। हमें आईपीएल अधिकारियों से कोई संदेश नहीं मिला है। मुझे मुस्तफिजुर से भी ऐसा कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है। आमतौर पर आईपीएल किसी भी प्लेयर से एग्रीमेंट का ऐलान तभी करता है, जब जब खिलाड़ी को उसके घरेलू बोर्ड से एनओसी मिल जाती है।

आईपीएल के बचे मैच का शेड्यूल और बांग्लादेश के अगले दौरे का शेड्यूल क्लैश हो रहा है।

ला लीगा- रियल मैड्रिड ने मायोर्का को 2-1 से हराया

एमबाप्पे और रैमॉन ने एक-एक गोल किया, बार्सिलोना का खिताब जश्न टला

बार्सिलोनी (एजेंसी)। स्पेनिश लीग ला लीगा में बुधवार को खेले गए मैच में रियल मैड्रिड ने मायोर्का को इंजरी टाइम में गोल कर 2-1 से हरा दिया। मैड्रिड के लिए किलियन एमबाप्पे और जैकोबो रैमॉन ने एक-एक गोल किया।

बार्सिलोना को खिताब के लिए करना पड़ेगा इंतजार

इसके साथ ही बार्सिलोना को अपने 28वां लीग खिताब के लिए इंतजार करना पड़ेगा। स्पेनिश लीग में सबसे ज्यादा पॉइंट अर्जित करने वाली टीम खिताब जीतती है। बार्सिलोना के 35 मैच के बाद 82 पॉइंट है। वह पॉइंट टेबल में टॉप पर है। जबकि रियल मैड्रिड 36 मैचों के बाद 78 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर है। स्पेनिश लीग में 20 टीमें खेल रही है। प्रत्येक टीम को एक-दूसरे से दो दो मैच खेलने हैं। एक मैच अपने होम ग्राउंड पर और दूसरा बाहर यानी प्रत्येक टीम को 38 मैच लीग में खेलने हैं। बार्सिलोना को 3 मैच खेलने हैं और एक भी जीतने के बाद वह खिताब जीत जाएगी। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली रियल मैड्रिड के दो मैच बाकी है, और दोनों जीतने के बाद भी खिताब हासिल करना मुश्किल है।

हाफटाइम में मायोर्का ने 1-0 से आगे

मार्योका ने हाफ टाइम में रियल मैड्रिड से 1-0 से आगे रहा। मार्योका की तरफ से 11 वें मिनट में मार्टिन वाल्जेंट ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उसके बाद हाफ टाइम तक दोनों टीमों ने कोई और गोल नहीं किए।

मबाप्पे ने गोल कर टीम को बराबरी पर लाया

मैच के 68वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने गोल कर रियल मैड्रिड को 1-1 की बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। लीग में उनका यह 28वां गोल था।

वह लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उनसे तीन गोल पीछे बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की हैं। इनके 25 गोल हैं।

रैमॉन ने इंजरी टाइम में विजयी गोल दागा

ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना का खिताब तय हो गया, पर इंजरी टाइम में रियल मैड्रिड की ओर से जैकोबो रैमॉन ने गोल कर स्कोर को स्कोर 2-1 कर दिया और टीम को जीत दिला दी।

इसके साथ ही बार्सिलोना को खिताब जश्न मानने के लिए रोक दिया। उन्हें अपने अगले मैच तक इंतजार करना पड़ेगा। बार्सिलोना का मैच गुरुवार को एस्पेनयोल के साथ है। जीत के साथ ही वह खिताब भी जीत लेगी।

कैफ बोले-लगता है विराट टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे

चयन समिति ने नहीं दिया साथ; 12 मई को लिया था संन्यास

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि विराट कोहली इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार थे। लेकिन, उन्हें अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी थी।

रणजी खेलकर इस फॉर्मेट को जारी रखने के दिए थे संकेत

कैफ ने बुधवार को आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे। इसको लेकर उनकी बीसीसीआई अधिकारियों और चयनकर्ताओं से बातचीत भी हुई होगी। चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 सालों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया होगा और उन्हें बताया होगा कि टीम में उनकी जगह अब नहीं हो सकती। हमें कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ, यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि पर्दे के पीछे वास्तव में क्या हुआ था। उन्होंने आगे कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी खेलने से यह साफ था कि वह आगामी टेस्ट में वापसी करना चाहते थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से भी समर्थन मिलेगा, पर उन्हें नहीं मिला।

पिछले पांच सालों में टेस्ट में 3 शतक ही जड़े

कोहली के अगर पिछले सालों के प्रदर्शन को देखें तो पता चला कि उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। उन्होंने इस बीच खेले 68 पारियों में केवल 2028 रन बनाए और तीन शतक ही लगाए। इस दौरान उनका करियर औसत घटकर 46 तक आ गया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ में शानदार शतक के साथ वापसी के संकेत दिखे, लेकिन बाकी दौरे में वह केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से सीरीज हार गया।

रोहित शर्मा राजनीति में ! महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट स्टार रोहित शर्मा का अपने आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत किया। इस खास मुलाकात में रोहित के शानदार टेस्ट करियर को सम्मानित किया गया। फडणवीस ने अपनी भावनाओं को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया और रोहित के प्रति प्रशंसा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

फडणवीस ने लिखा कि भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत करना, उनसे मिलना और बातचीत करना बहुत अच्छा रहा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर शुभकामनाएं दीं और उनके सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता की कामना की!

रोहित ने 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और 67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में आया। वे भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में रिटायर हुए।

रोहित ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की यादगार पारी के साथ की थी। शुरुआती वादे और कुछ शानदार पारियों के बावजूद, 'हिटमैन' को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई, खासकर विदेशी दौरों पर। 2013-18 के बीच, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल थे।

तेलंगाना के मंदिर में मिस वर्ल्ड के पैर धोने के वीडियो से आक्रोश

हैदराबाद (एजन्सी),

सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक क्लिप में स्थानीय महिलाओं को तेलंगाना के रामप्पा मंदिर में मिस वर्ल्ड 2025 उम्मीदवारों के पैर धोने के समारोह में मदद करते हुए दिखाया गया है, जिसने पूरे देश में आक्रोश और भारत में राजनीतिक आलोचना को हवा दे दी है। बुधवार, 14 मई को ऑनलाइन सामने आई इस क्लिप में पारंपरिक कपड़ों में बैठी हुई उम्मीदवार दिखाई दे रही हैं, जबकि महिलाएं पीतल के बर्तनों से उनके पैरों पर पानी डाल रही हैं।

कुछ मामलों में, महिलाओं को प्रतियोगियों के लिए तौलिया लाते हुए देखा गया है, जिसमें एक क्लिप में एक प्रतियोगी को स्पष्ट रूप से एक महिला द्वारा अपने पैर पोंछने का इंतजार करते हुए दिखाया गया है। यह अनुष्ठान 31 मई को हैदराबाद में होने वाले मिस वर्ल्ड के समापन से पहले तेलंगाना पर्यटन विभाग द्वारा

आयोजित एक सांस्कृतिक दौरे का हिस्सा था।

प्रतियोगियों ने मुलुगु में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त रामप्पा मंदिर और वारंगल में हजार स्तंभ मंदिर सहित विरासत स्थलों का दौरा किया। अधिकारियों ने कहा कि मंदिर में प्रवेश करने से पहले पैर धोना एक पारंपरिक प्रथा थी, जिसमें प्रतियोगी पानी से भरी पीतल की प्लेटों का उपयोग करके अनुष्ठान में भाग लेते थे। लेकिन सोशल मीडिया पर इन दृश्यों की कड़ी आलोचना की गई है। पत्रकार सुमित झा ने इस कृत्य की आलोचना करते हुए इसे "औपनिवेशिक हैंगओवर और श्वेत पूजा का मास्टरक्लास" बताया और इसकी सांस्कृतिक वैधता पर सवाल उठाया। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी इसी तरह की राय व्यक्त की, इस कृत्य को "घृणित" और "नस्लवादी" कहा, जबकि अन्य ने इसे आतिथ्य के पारंपरिक संकेत के रूप में उचित ठहराया। हालाँकि, कुछ नेटिज़न्स ने इस कृत्य का समर्थन किया है, इसे एक अनुष्ठान कहा है जिसकी गलत व्याख्या की गई है।

कुछ ने दावा किया कि महिलाओं ने केवल पानी डाला, जबकि अन्य ने आलोचना की कि एक प्रतियोगी ने अपने पैर पोंछने के लिए एक स्थानीय महिला को एक तौलिया दिया। इस घटना ने सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व और आधुनिक आयोजनों में पारंपरिक अनुष्ठानों के उपयोग पर व्यापक बहस को जन्म दिया है। जबकि कुछ लोग इस अनुष्ठान को एक सम्मानजनक सांस्कृतिक प्रथा मानते हैं, अन्य इसे एक प्रतिगामी प्रदर्शन मानते हैं जो स्थानीय महिलाओं की गरिमा को कम करता है। तेलंगाना सरकार ने विवाद के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

बजरंग सेना तेलंगाना ने किया एसएचओ श्रीनिवासुलु का सम्मान

हैदराबाद (एजन्सी),

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने एसएचओ श्रीनिवासुलु को कार्यभार संभालने पर सम्मानित किया। बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने सुनील अग्रवाल के साथ मिलकर श्रीनिवासुलु को गोशामहल पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के रूप में कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। संक्षिप्त समारोह में नवनियुक्त एसएचओ को सम्मानित किया, सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार किया और ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उनकी क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया।

यह बैठक नागरिक समाज और कानून प्रवर्तन के बीच आपसी सम्मान और सहयोग का संकेत थी।

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा

हैदराबाद (एजन्सी),

राधे राधे ग्रुप, भाग्यनगर द्वारा नित्य अन्नप्रसाद (नाश्ता) सेवा सुबह 7.01 बजे पब्लिक गार्डन, पिलर-ए1265, नामपल्ली, पर की गई। ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि पर श्री मनोज जी एवं श्रीमती ममता अग्रवाल परिवार(ममता एजेंसी, हैदराबाद) ने सेवा की।

अवसर पर सतीश कुमार: रामप्रकाश अग्रवाल जगत नारायण अग्रवाल महेश अग्रवाल महेश गुप्ता सुशील गुप्ता शीतल गुप्ता बिमल किशोर सांघी नमन सांघी ई-जगन (चंपा पेट) भगतराम गोयल संजय गोयल किरण गोयल प्रीतिका अग्रवाल संजय अग्रवाल सविता अग्रवाल नंदकिशोर अग्रवाल राजेश योगा सरजी रोहित अग्रवाल सुमन अग्रवाल मायारामजी अग्रवाल गोपाल गोयल और अन्य राधे-राधे समूह के सदस्य उपस्थीत थे।

हैदराबाद (एजन्सी), गौ सेवा मित्र मंडल द्वार 18 मई ,रविवार को श्री समर्थ कामधेनु गौशाला, जियागुड़ा में होने वाले श्री श्याम वार्षिक उत्सव में भाग लेने श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा के रामचरण महाराज एवं गोशामहल विधायक टाइगर राजा सिंह को अमंत्रित किया गया। अवसर पर मनोज अग्रवाल, प्रदीप मोर, यश अग्रवाल, सचिन कनोडिया, श्याम अग्रवाल, नमन कनोडिया उपस्थीत थे।

रेत की अवैध तस्करी करने वालों को किया अग्रिम बाइंड ओवर

करीमनगर (एजन्सी),

करीमनगर ग्रामीण सहायक पुलिस अधीक्षक शुभम नगरले के आदेशानुसार ग्रामीण पुलिस थाना निरीक्षक ए. निरंजन रेड्डी द्वारा नगरनूर, वल्लमपहाड़, बोम्मकल, करीमनगर आदि क्षेत्रों में रेत की अवैध तस्करी करने वालों के साथ करीमनगर रूरल पुलिस स्टेशन में एक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर निरंजन रेड्डी ने कहा कि सरकार द्वारा अनुमति प्राप्त रीच और खदानों से ही घरों तथा अन्य निर्माण कार्यों के लिए रेत खरीदनी चाहिए। मानेरु नदी के तटीय क्षेत्रों से अवैध रूप से लाई गई रेत को न खरीदने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में करीमनगर रूरल मंडल क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ-साथ पूर्व में रेत तस्करी के मामलों में संलिप्त रहे ट्रैक्टर मालिकों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम के पश्चात, वल्लमपहाड़, नगरनूर, बोम्मकल तथा दुरशेट गांवों से संबंधित नौ लोगों को, जो पूर्व में ट्रैक्टरों द्वारा रेत की अवैध तस्करी करते हुए पकड़े गए थे, करीमनगर रूरल मंडल तहसीलदार की उपस्थिति में पेश किया गया और भविष्य में कोई भी अवैध गतिविधि न करने की चेतावनी देते हुए, प्रत्येक को एक लाख रुपये की जमानत पर अग्रिम बाइंड ओवर किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल शाखा सिकंदराबाद द्वारा छाछ वितरण

हैदराबाद (एजन्सी),

तेलंगाना सिकंदराबाद शाखा मंत्री सुमन घोड़ेला द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा की अध्यक्षा शीतल जैन के नेतृत्व में छाछ का वितरण किया गया।

राहे चलते 1200 लोगों ने इसका आनंद लिया।। इस प्रोग्राम के लाभार्थी शाखा के सदस्या प्रियंका फागणिया,अर्चना चौरडिया, लक्स जैन और निर्मला सोहनलाल कामदार की शादी की सालगिराह के उपलक्ष में रखा गया।

इस प्रोग्राम को सफल बनाने में मीना जैन, आशा डाफरिया ,अर्चना बोहरा,माया राठौर, मधु शर्मा, संतोष देवी, भाग्यश्री दाबी, मुकुल दाबी, चंदा मोदी, योगिता, अर्चना चौरडिया ,अनीता राठौर ,सुरेखा गांधी, संजू सांखला, सीमा जैन, आरव जैन और शानवी जैन का विशेष सहयोग रहा।

शाखा की सहमंत्री सुनीता डुंगरवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।। और इस प्रोग्राम को सफल बनाने में सिकंदराबाद शाखा के वरिष्ठ सदस्य नारायण जी चावडा का सराहनीय योगदान रहा।

सीरवी समाज नरसिंहपुरा ने लिया निर्णय, अब न अफीम-डोडा की मनुहार होगी ओर न ही खर्चीले शादी समारोह

पाली (एजन्सी),

मारवाड़ जंक्शन के नजदीक स्थित नरसिंहपुरा सीरवी समाज ने समाजसेवी चेलाराम भायल, कोटवाल नारायणलाल भायल व जमादारी दुर्गाराम भायल की संयुक्त अध्यक्षता में श्री आईमाता मंदिर, नरसिंहपुरा में दि.12.05.2025 को समाज सुधार हेतु बैठक कर सर्वसम्मति से निर्णय लिये।

बैठक में आपरेशन मनुहार अभियान के समर्थन में मोत मृतक, शादी समारोह सहित विभिन्न अवसरों पर अफीम व डोडा पोस्त की मनुहार अब पूर्ण रूप से बंद करने सहित नशीली चीजों पर भी रोक लगाई। समाज में बढ़ते महंगे शादी समारोह में अब हल्दी रस्म, मेंहदी रस्म व संगीत रस्म में सिर्फ परिवार वाले ही सीमित दायरे में सम्पन्न करेंगे, प्री-वेडिंग पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई, बारात में दुल्हा क्लीन सेव के साथ निर्धारित वेशभूषा में ही आयेंगें, मायरा में कपड़े सिर्फ घर परिवार वाले ही लायेंगे बाकी 100 रु. ओरना व 200 रु. वेष के देंगे। इसके अलावा शादी समारोह में बर्तन आदि वितरण नहीं किये जायेगें।

बैठक में धन्नाराम भायल, दुर्गाराम भायल, ढगलाराम भायल व कूपाराम भायल सहित गणमान्य पंचगण व नवयुवक मंडल के सदस्यगण भी उपस्थित रहे तथा डायाराम भायल ने बताया कि सभी निर्णय दि.12.05.2025 से ही लागू हो गये है। समाज सुधार हेतु लिए गये निर्णय पर गोपाराम पंवार, राष्ट्रीय समन्वयक नशा मुक्ति एवं समाज सुधार अभियान ने सभी को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने की अपील की।

तेलंगणा/ महाराष्ट्र /आंध्र प्रदेश /ओरिसा /कर्नाटक

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net